एजेंसी देना हैं
दैनिक जनसेवा समाचार
की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक
जनसेवा समाचार
MPHIN/2013/53952
web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं
दैनिक जनसेवा समाचार
को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-216 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 5 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मलखंभ खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहे, लेकिन दूसरों के लिए प्रशस्त किया सुख-समृद्धि का रास्ता: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम से भारत की पहचान दुनियाभर में बनी है। उन्होंने सृष्टि का उद्धार करने के लिए पृथ्वी पर मानव रूप में जन्म लिया। अपने जीवन में अनेकों कष्ट सहे और दुष्टों का संहार कर जनता के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेने के बाद अपनी बाल्यकाल की लीलाओं से आमजन के कई कष्टों को मुस्कुराते हुए दूर किया। उन्होंने विश्व को संदेश दिया कि हमें मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें कष्टों को दूर कर मार्ग निकालने की प्रेरणा दी है। उज्जैन में महर्षि सांदीपनि के आश्रम में श्रीकृष्ण ने 64 कला और 14 विद्याएं सीखीं। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सभी के लिए शिक्षा का महत्व प्रतिपादित होता है। सांदीपनि आश्रम में सुदामा जी के साथ उनकी मित्रता के प्रसंग हर काल में प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आख्यान पर्व के अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे।

भव्य तीर्थ के रूप में जीवंत हो रहे प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थानों को भव्य तीर्थ के रूप में विकसित कर जीवंत करने के लिए संकल्पित है। श्रीकृष्ण पाथेय में उज्जैन का सांदीपनि आश्रम, जानापाव, महिदपुर सहित अन्य तीर्थ स्थल शामिल हैं। इसी प्रकार से संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से प्रभु श्रीराम से जुड़े चित्रकूट धाम को भव्यता के साथ विकसित किया जा रहा है। हमारी सरकार ने सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत से दुनिया को परिचित कराने के लिए त्यौहार और पर्वों को हर्षोल्लास के साथ व्यापक स्तर पर मनाने की शुरुआत की है।

मयूर नृत्य, मलखंभ खिलाड़ियों के करतब से दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियों के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न कला समूहों ने श्रीकृष्ण जन्म, श्रीकृष्ण लीला, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन लीला, कंस वध, गीता उपदेश सहित श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिकाओं का मंचन किया। जबलपुर से आए श्री जुगलकिशोर नामदेव और उनके साथी कलाकारों ने मयूर नृत्य, ब्रज में आनंद उमंग भयो जय हो नंदलाल की, आज ब्रज में होली रे रसिया, श्रीकृष्ण गोबिंद हरे मुरारी जैसे सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे मुख्यमंत्री निवास का वातावरण श्रीकृष्णमय होकर भक्तिरस से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में श्री भारत सिंह पालीवाल के निर्देशन में उज्जैन से आए खिलाड़ियों ने मलखंभ की प्रस्तुति दी। खिलाड़ियों के अद्भुत करतब देखकर पंडाल में मौजूद सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मलखंभ खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाकर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वैदिक घड़ी भी भेंट की गई।

विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा भारत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के अथक प्रयासों से आज भारत विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है। हमारी संस्कृति अच्छाई बांटने वाली संस्कृति है। हम इसके वैभव को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया के कई देशों पर युद्ध के संकट का साया है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है। ग्रोथ रेट के मामले में भारत ने अमेरिका, चीन और जापान जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत सरकार अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और अपने विदेशी रिश्तों को मजबूत करेगी। श्रीकृष्ण के चतुर्भुज रूप की शोभा हैं सुदर्शन चक्र और पांचजन्य शंख मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आचार्य सांदीपनि का पहला आश्रम बनारस में था। इसके बाद वे परिवार के साथ उज्जैन आए और यहां विद्यार्थियों को शिक्षा देना प्रारंभ किया।

36,000केमी से तस्वीरें लेने वाला पहला भारतीय सैटेलाइट लॉन्च

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार देर रात 2:55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा।

पाकिस्तान-चीन पर लगातार नजर रखेगा

ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा।

सबसे लंबे समय तक इटली की प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड

पीएम मोदी ने मेलोनी को बधाई दी

नई दिल्ली/रोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर बधाई दी है। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में मेलोनी को अपनी मित्र बताते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि इटली के लोगों के उनके नेतृत्व पर भरोसे और विश्वास को दिखाती है। उन्होंने कहा कि मेलोनी की दोस्ती भारत और इटली के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में भी अहम रही है। मोदी ने दोनों देशों के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए आगे भी मिलकर काम करने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री ने मेलोनी को आने वाले वर्षों में सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने शुक्रवार को लगातार 1413 दिन सत्ता में रहकर इटली में नया रिकॉर्ड बनाया। 1946 में इटली गणराज्य बनने के बाद यह किसी एक कैबिनेट का सबसे लंबा लगातार कार्यकाल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री जगदीश मित्तल के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष श्री जगदीश मित्तल के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समाज और राष्ट्रहित के लिए समर्पित स्व. जगदीश मित्तल का जीवन हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा।

कैंसर से जंग में नई रणनीति : इलाज सस्ता करने से लेकर स्कूलों तक जागरूकता की दस्तक

मुंबई के टाटा मेमोरियल सेंटर की पहल—महानगर से बाहर पहुंचेगा किफायती कैंसर उपचार, बीमारी की रोकथाम में बच्चों को बनाया जाएगा संदेशवाहक

डॉ.नवीन आनंद जोशी

मुंबई। कैंसर के खिलाफ लड़ाई अब केवल अस्पताल की चारदीवारी तक सीमित रखने की रणनीति नहीं है। इलाज के खर्च का बोझ कम करने, मरीजों को उनके घर के नजदीक उपचार उपलब्ध कराने और बीमारी के प्रति समाज की सोच बदलने की दिशा में टाटा मेमोरियल सेंटर एक व्यापक मॉडल पर काम कर रहा है। मुंबई से उठ रही यह पहल अब देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंचने की तैयारी में है।

टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉ. सुयश कुलकर्णी के अनुसार आने वाले समय में कैंसर उपचार को अफोर्डेबल कॉस्ट पर उपलब्ध कराने का प्रयास मुंबई तक सीमित नहीं रहेगा। नासिक घाटी, भुवनेश्वर और पंजाब सहित दूसरे क्षेत्रों में भी कैंसर मरीजों को कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि टाटा मेमोरियल का 'सभी के लिए किफायती कैंसर उपचार तक पहुंच ' कार्यक्रम पहले ही जिला स्तर पर कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग और उपचार की क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह परियोजना महाराष्ट्र के अलावा पंजाब, ओडिशा समेत कई राज्यों तक विस्तारित हो चुकी है।

अस्पताल के अधीक्षक विनीत सामंत ने बताया कि 1966 में टाटा मेमोरियल सेंटर के गठन के बाद से उपचार के साथ शोध और शिक्षा इसकी मूल कार्यधारा का हिस्सा रहे हैं। आज क्लीनिकल रिसर्च और जागरूकता पर भी समानांतर रूप से काम हो रहा है। लेकिन कैंसर की लड़ाई में सबसे बड़ी चुनौती तकनीक नहीं, बल्कि समय है। जानकारी के अभाव में अनेक लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर टाल देते हैं। जब तक वे विशेषज्ञ अस्पताल पहुंचते हैं, बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। यही वह बिंदु है जहां टाटा की रणनीति इलाज से आगे बढ़कर शीघ्र पता लगाने की रोकथाम और की ओर जाती दिखाई देती है।टाटा मेमोरियल की आधिकारिक परियोजना भी जिला स्तर पर प्रारंभिक पहचान, स्क्रीनिंग और रोकथाम को मजबूत करने तथा समुदाय में कैंसर और तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करने को प्रमुख लक्ष्य मानती है।

बच्चे बनेंगे कैंसर जागरूकता के दूत

डॉ. शालिनी पिम्पले के अनुसार कैंसर की रोकथाम में समाज की आदतों और जीवनशैली में बदलाव बेहद महत्वपूर्ण है। अनियमित दिनचर्या, लगातार तनाव, मोटापा और शराब जैसे कारक जोखिम को बढ़ाने में भूमिका निभा सकते हैं।इसी सोच को घर-घर पहुंचाने के लिए अब 8 से 15 वर्ष की उम्र के स्कूली बच्चों को वीडियो के माध्यम से कैंसर के प्रमुख कारकों और बचाव की जानकारी देने की योजना है। तर्क सीधा है—बच्चा केवल सीखता नहीं, वह घर में सवाल भी पैदा करता है। परिवार में स्वास्थ्य को लेकर संवाद शुरू करने की क्षमता उसके पास होती है। इसीलिए बच्चों को जागरूकता की धुरी बनाने की यह पहल भविष्य की पीढ़ी को बीमारी से लड़ने के बजाय उससे बचने की संस्कृति सिखाने की कोशिश है।

डॉ. पिम्पले ने यह भी बताया कि आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और उनसे निर्मित औषधियों की कैंसर के संदर्भ में संभावित भूमिका पर काम चल रहा है और इसके परिणाम सामने आने की प्रतीक्षा है। ऐसे प्रयासों को वैज्ञानिक शोध और प्रमाण के आधार पर आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में किसी भी उपचार पद्धति की प्रभावशीलता का मूल्यांकन ठोस चिकित्सकीय प्रमाणों से ही किया जा सकता है।

टाटा मेमोरियल की दिशा अब केवल 'बड़े अस्पताल में इलाज' की नहीं, बल्कि जहां मरीज है, वहीं बेहतर कैंसर सेवा पहुंचाने की है। संस्था का किफायती कैंसर केयर कार्यक्रम इसी उद्देश्य से जिला स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और कैंसर स्क्रीनिंग की क्षमता बढ़ाने पर जोर देता है। पंजाब में टाटा मेमोरियल से जुड़े केंद्रों में किफायती कैंसर उपचार की व्यवस्था पहले से संचालित है। इसी बदलती तस्वीर को करीब से समझने के लिए प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, मध्य प्रदेश के दल ने टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल का दौरा किया। अस्पताल की व्यवस्था, उपचार, शोध और जन-जागरूकता के प्रयासों को समझने का यह अवसर इस बात की ओर संकेत करता है

कि कैंसर के खिलाफ अगली बड़ी लड़ाई केवल ऑपरेशन थिएटर में नहीं, बल्कि स्कूल, परिवार, गांव और समाज के बीच लड़ी जाएगी ।सवाल अब यह नहीं कि कैंसर का इलाज कितना महंगा है

असली सवाल यह है कि मरीज इलाज तक कितनी जल्दी पहुंचता है। टाटा मेमोरियल की नई पहल इसी दूरी को कम करने की कोशिश है।

दिल्ली में भारी बारिश, इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भरा

उड़ानें प्रभावित रहीं

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार दोपहर से तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले 3 घंटों में ज्यादातर जगहों पर भारी बारिश के साथ 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। दोपहर में भारी बारिश से इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भर गया। बारिश के चलते उड़ानों पर भी असर पड़ा। अहमदाबाद, मुंबई और पोर्ट ब्लेयर से आने वाली उड़ानें देरी से दिल्ली पहुंचीं। एयरपोर्ट परिसर के कई हिस्सों में पानी जमा होने से पैसेंजर्स को परेशानी हुई।

बच्चों की ट्रॉली के पास धुआं-चिंगारी

महाराष्ट्र में अस्पताल में आग, 9 नवजात बचाए गए

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को एक प्राइवेट अस्पताल के एनआईसीयू (नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट)) में आग लग गई। घटना के समय वार्ड में 9 नवजात भर्ती थे। अस्पताल प्रशासन ने सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया। घटना शहर के जालना रोड इलाके में स्थित एशियन अस्पताल में हुई। अस्पताल चलाने वाले डॉ. शोएब हाशमी के मुताबिक, स्टाफ ने एसी यूनिट से धुआं निकलते देखा था। इसके बाद अस्पताल की टीम ने तुरंत भर्ती सभी 9 नवजातों को बाहर निकाल लिया। सभी नवजात सुरक्षित हैं। डॉक्टर ने बताया कि नवजातों को उनके परिजनों की सहमति से दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। अस्पताल की टीम ने आग पर तुरंत काबू पा लिया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अस्पताल की सफाई कर दी गई है और अब वहां सामान्य रूप से काम चल रहा है। इससे करीब 10 दिन पहले महाराष्ट्र के अमरावती स्थित जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में भीषण आग लगी थी।

कानपुर में 150 घरों में घुसा बाढ़ का पानी

प्रयागराज में लेटे हनुमानजी मंदिर 6 दिन से जलमग्न

प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश से गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। इससे 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं। अब तक 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा चुका है। 4,847 लोग फिलहाल राहत शिविरों में रह रहे हैं। कानपुर में पांडु नदी का पानी कई बस्तियों में घुस गया। यहां घरों में 6 से 7 फीट तक पानी भरा है। पिपोरी गांव का निरीक्षण करने के लिए ष्टरू जितेंद्र प्रताप सिंह और स्ष्टरू सदर अभिनव सिंह मोटर बोट से पहुंचे। स्ष्टरूने घुटनों तक पानी में उतरकर हालात का जायजा लिया। प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। शुक्रवार को लगातार छठे दिन भी लेटे हुए हनुमानजी जलमग्न हैं।

यूपी में बाढ़ से 26 जिले प्रभावित

यूपी के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। सरकार के शुक्रवार के आंकड़ों के मुताबिक, प्रभावित इलाकों से अब तक 17,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। राहत आयुक्त कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस बाढ़ से करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य के तहत 17,544 लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है, जबकि 4,847 लोग फिलहाल राहत शिविरों (शेल्टर होम) में शरण लिए हुए हैं।

17 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

प्रदेश के जिन 26 जिलों में बाढ़ का असर सबसे ज्यादा है, उनमें अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी शामिल हैं।भदोही में गंगा का जलस्तर शुक्रवार सुबह से करीब 1 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घट रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार नदी का जलस्तर 78.33 मीटर दर्ज किया गया है।

नेता प्रतिपक्ष ने गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत पर सरकार को घेरा तो सीएमएचओ मैडम ने जारी कराया फर्जी समाचार

मण्डला (नि.प्र.)

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं लेकिन जबावदार अधिकारी फिर अपने अमले को बचाने के लिए सक्रिय हो गया है। एक गर्भवती महिला और उसके दो नवजात बच्चों की मौंत पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डीजे मोहन्ती के द्वारा जनसम्पर्क के माध्यम से गलत समाचार प्रकाशन कराए जाने से मामला और कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष नेता उमंग सिंगार द्वारा सोशल मीडिया में की गई पोस्ट के बाद यह मामला प्रदेश स्तर में चर्चा में आ गया है। लेकिन अब तक जबावदार अधिकारी कर्मचारियों पर कोई ठोस कार्यवाही नही हो पाई है। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। बीजाडांडी क्षेत्र के ग्राम सलैया निवासी 28 वर्षीय गर्भवती रुक्मणी नरेती और उसके गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला को प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद जननी एंबुलेंस के लिए फोन किया गया लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंची। मजबूरी में परिजनों को निजी वाहन से महिला को अस्पताल ले जाना पड़ा। रास्ते की जर्जर सड़क ने परेशानी और बढ़ा दी। आरोप है कि अस्पताल पहुंचने

में हुई देरी के बीच महिला और गर्भस्थ बच्चों की जान नहीं बच सकी। घटना के बाद एक बार फिर जिले की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था, जननी एंबुलेंस की उपलब्धता खराब सड़कों और गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिलने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार सलैया निवासी रूकमणी नरेती को प्रसव पीड़ा हुई। परिजनों ने महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए जननी एंबुलेंस से संपर्क किया। परिजनों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। महिला की हालत बिगड़ती देख परिवार ने इंतजार करने के बजाय निजी वाहन की व्यवस्था की और उसे अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए। ग्रामीण क्षेत्र की खराब सड़क ने इस सफर को और मुश्किल बना दिया। परिजनों के मुताबिक रास्ते में महिला की हालत लगातार बिगड़ती गई। अस्पताल पहुंचने में हुई देरी को लेकर अब परिजन सवाल उठा रहे हैं। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। एक ओर परिजन अपनों को खोने के गम में हैं वहीं दूसरी ओर एंबुलेंस नहीं मिलने और अस्पताल तक पहुंचने में हुई देरी को लेकर व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने घेरा सरकार को

मामले को लेकर प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सलैया गांव की घटना को लेकर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। सिंघार ने आरोप लगाया कि प्रसव पीड़ा से जूझ रही 28 वर्षीय गर्भवती महिला को समय पर एंबुलेंस नहीं मिली और परिजनों को जर्जर सड़क के रास्ते निजी वाहन से अस्पताल ले जाना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष के अनुसार अस्पताल पहुंचने से पहले महिला और उसके गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल बताते हुए सरकार से इस मामले में जवाब मांगा। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास के दावों पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर एंबुलेंस तक नहीं मिल पा रही है तो विकास के दावों की जमीनी हकीकत क्या है सिंघार ने दोनों मौतों की जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए सवाल उठाया कि आखिर स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के कारण लोगों की जान कब तक जाती रहेगी।

सिकल सेल बनी गंभीर चुनौती

चिकित्सकों के अनुसार महिला सिकल सेल बीमारी से पीड़ित थी। सिकल सेल जैसी बीमारी से जूझ रहे मरीजों विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भावस्था और प्रसव के दौरान अतिरिक्त चिकित्सकीय निगरानी की जरूरत होती है। ऐसे मामलों में समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक आवश्यक जांच दवाइयां और उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा तक पहुंच बेहद महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा महिला को जिला अस्पताल मंडला और मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किए जाने की बात भी सामने आई है।

जांच के बाद ही होगा स्पष्ट

घटना में स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ सड़क की बदहाली भी बड़ा मुद्दा बनकर सामने आई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई गांवों को मुख्य मार्ग और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ने वाली सड़कों की स्थिति खराब होने के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में समय लगता है। सामान्य परिस्थितियों में यह परेशानी किसी तरह झेली जा सकती है, लेकिन प्रसव पीड़ा, दुर्घटना या गंभीर बीमारी के मामलों में यही देरी जिंदगी और मौत के बीच का अंतर बन सकती है।

अब जांच और जवाबदेही जरूरी

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि रुक्मणी नरेती की मौत का वास्तविक कारण क्या था और क्या अस्पताल पहुंचने में हुई देरी का इसमें कोई योगदान रहा इसका जवाब चिकित्सकीय जांच से सामने आना चाहिए। साथ ही जननी एंबुलेंस को फोन कब किया गया एंबुलेंस कहां थी उसे मौके तक पहुंचने में कितना समय लगा और कॉल का रिकॉर्ड क्या कहता है इन सभी बिंदुओं की जांच होना जरूरी है।

यदि एंबुलेंस समय पर उपलब्ध नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। वहीं यदि महिला की गंभीर स्थिति और सिकल सेल बीमारी के कारण उसकी हालत ऐसी थी कि उसे तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र की जरूरत थी, तो रेफरल के बाद परिवहन और उपचार की व्यवस्था क्यों नहीं हो सकी, इसका भी जवाब प्रशासन को देना होगा।

हितग्राहियों को मिला आशियाना अधिकार

मण्डला (नि.प्र.)

नगर परिषद भुआ-बिछिया द्वारा शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री शहरी आवासीय पट्टा योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी एवं उपाध्यक्ष रणधीर रानू सिंह राजपूत द्वारा हितग्राहियों को पट्टा दस्तावेज प्रदान किए गए। इस अवसर पर आरती सोनी सहित अन्य हितग्राहियों को आवासीय पट्टा प्रदान किया गया। पट्टा दस्तावेज प्राप्त होने पर हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं नगर परिषद के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को मूलभूत सुविधाओं के साथ सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। नगर परिषद उपाध्यक्ष रणधीर रानू सिंह राजपूत ने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब उनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। आवासीय पट्टा योजना शहरी क्षेत्र में निवासरत पात्र परिवारों के लिए महत्वपूर्ण पहल है जिससे उन्हें अपने आवास से जुड़ी स्थायित्व एवं सुरक्षा प्राप्त होती है। इस अवसर पर पार्षद शशिकांत श्रीवास्तव, सहायक राजस्व निरीक्षक नारायण सिंह परते, मनोज निगम सहित नगर परिषद के कर्मचारीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंच शुद्धिकरण पर विरोध प्रदर्शन

मण्डला (नि.प्र.) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण मंच का कथित रूप से शुद्धिकरण किए जाने की घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस घटना को दलित समाज के स्वाभिमान एवं सम्मान से जोड़ते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। विधायक नारायण सिंह पट्टा ने आरोप लगाया कि बीजेपी व आरएसएस से जुड़े लोगों द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण मंच का शुद्धिकरण किया जाना सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।

जन्माष्टमी शिक्षक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

मण्डला (नि.प्र.) विगत दिवस स्थानीय प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मोंटफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्री जन्माष्टमी एवं प्री शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्ति प्रेम ज्ञान और कृतज्ञता के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा दूसरी चौथी और पांचवीं के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, ब्रदर राजन, कोऑर्डिनेटर श्रीमती अंकिता कुशवाहा, श्रीमती इवेंजिलिन कुशराम, श्रीमती करिश्मा पांडे एवं आयुषी पांडे द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान श्रीकृष्ण के तैल्यचित्र के समक्ष पारंपरिक दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात् कक्षा चौथी के बच्चों ने अत्यंत सुमधुर प्रार्थना नृत्य और भक्तिमय जन्माष्टमी गीत प्रस्तुत कर पूरे माहौल को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। नन्हे

कान्हा की बाल-लीलाओं ने जीता दिल सांस्कृतिक श्रृंखला के अंतर्गत कक्षा दूसरी और पांचवीं के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित एक विशेष प्रस्तुति दी गई।

बच्चों ने भगवान कृष्ण के बचपन पर आधारित नाटक और नृत्य के माध्यम से भगवान कृष्ण के जन्म माखन चोरी और बाल-लीलाओं का सजीव मंचन किया जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा भगवान कृष्ण और जन्माष्टमी के महत्व पर विचारणीय भाषण भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में शिक्षक दिवस का उत्सव बेहद गरिमामयी ढंग से मनाया गया। इसके पश्चात संस्था प्रमुख ने विद्यालय में बच्चों को लाने ले जाने वाले सभी ऑटो चालकों का सम्मान किया इसमें बच्चों के द्वारा फूलों से करीब 60 ऑटो चालकों का स्वागत किया तथा उनके ऑटो के बच्चों द्वारा संस्था प्रमुख की तरफ से उनको शर्ट का कपड़ा उपहार स्वरूप देकर उन्हें सम्मानित किए।

संस्था द्वारा इस प्रकार सम्मानित होकर सभी ऑटो चालक खुश हो गए तथा उन्होंने संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन और स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भजन संध्या

मण्डला (नि.प्र.)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आज श्रीकृष्ण पाथेय न्यास भोपाल के मार्गदर्शन में नगर के सिंहवाहिनी वार्ड बुधवारी चौक स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजन-अर्चन के पश्चात शाम 7:30 बजे से धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ होगा। इसके उपरांत रात्रि 8:00 बजे से 10:30 बजे तक ओम युवा मंडल के कलाकारों द्वारा भजन संध्या की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। भजन संध्या में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके जीवन चरित्र पर आधारित भजनों की प्रस्तुति होगी। आयोजन में नगर के कृष्ण भक्तों, जनप्रतिनिधियों मातृशक्ति एवं नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

आदिवासी नेत्री के रूप में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने वाली श्रीमती सम्पतियां उइके

मण्डला (नि.प्र.)

आज कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उइके का जन्मदिन है कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके जन्मदिन मनाने की तैयारी विगत कई दिनों से की जा रही थी आज उनके गृहग्राम टिकरवाड़ा में अनेक धार्मिक आयोजन के साथ जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता से होगा। आदिवासी नेत्री के रूप में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने वाली महिला हैं।

जो गांव की पगडंडियों से निकलकर अपनी अलग पहचान बनाने वाली मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके का राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन संघर्ष सेवा और जनसमर्पण की प्रेरणादायी यात्रा रहा है। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के उन्होंने अपनी मेहनत कर्मठता और जनसेवा के माध्यम से राजनीति में अपना स्थान

बनाया। खेत-खलिहानों और गांव की पगडंडियों से लेकर शिशु मंदिर विद्यालय में सेवा कार्य तक उनका जीवन समाज से निरंतर जुड़ा रहा। उनके पति स्व. संजय उइके राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर रहे और बाद में नायब तहसीलदार बने। उन्होंने श्रीमती संपतिया उइके की राजनीतिक क्षमता और जनसेवा की भावना को पहचानते हुए उन्हें सक्रिय राजनीति में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती संपतिया उइके ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत ग्राम पंचायत की सरपंच के रूप में की। इसके बाद वे जिला पंचायत सदस्य बनीं और तीन बार जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला का दायित्व संभाला।

जनसेवा के इसी क्रम में वे मध्यप्रदेश राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुई बाद में मंडला विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुईं। पहली बार विधायक बनने के बाद ही भारतीय जनता पार्टी संगठन और प्रदेश सरकार ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें कैबिनेट मंत्री का दायित्व सौंपा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी। श्रीमती संपतिया उइके अपनी सक्रियता, निरंतर जनसंपर्क और प्रदेशभर में व्यापक दौरे के लिए जानी जाती हैं।

सरपंच से लेकर कैबिनेट मंत्री तक की इस यात्रा में आशीर्वाद जनता का स्नेह, संगठन के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और जमीनी कार्यकर्ताओं का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। जनता और कार्यकर्ताओं के सुख-दुःख में सदैव साथ खड़े रहना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण पक्ष है। विपरीत परिस्थितियों अथवा किसी दुखद अवसर पर वे व्यस्तता के बावजूद आमजन कार्यकर्ताओं और नेताओं के घर पहुंचकर उनका संबल बढ़ाती हैं।

पारिवारिक विवाद में मारपीट और धारदार हथियार से हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई, न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपी जेल भेजे

मण्डला (नि.प्र.)

थाना नैनपुर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 स्थित खटीक मोहल्ले में पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर तीनों को जेल दाखिल कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, फरियादी का अपने परिवार एवं आरोपियों के बीच पारिवारिक खेती-बाड़ी और मकान को लेकर पूर्व से विवाद चला आ रहा था। इसी विवाद के चलते बीती रात करीब 10 बजे आरोपी बंटी आमो ने फरियादी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान अंजुल सैयाम और मोहित सैयाम भी मौके पर पहुंच गए और फरियादी के साथ हाथ-झापड़ से मारपीट करने लगे।

मारपीट के दौरान आरोपियों ने फरियादी को घर के सामने पड़ी रेत में पटक दिया। इसी दौरान धारदार वस्तु से किए गए हमले में उसके दाहिने हाथ की उंगली में चोट लग गई और खून निकल आया। फरियादी के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसके पिता सतीश आमो, बहन शीला काकोड़िया और माता राजकुमारी आमो मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान मोहित सैयाम ने फरियादी के पिता सतीश आमो के दाहिने हाथ की कोहनी पर ईंट से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना में शीला काकोड़िया को भी चोट आई। आरोपियों द्वारा फरियादी और उसके परिवार को जान से खत्म करने की धमकी देने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 395/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए बंटी आमो (35), निवासी वार्ड क्रमांक 6 नैनपुर, मोहित सैयाम (21) तथा अंजुल सैयाम (24), दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 6 नैनपुर को गिरफ्तार किया।

तीनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया।

कार्रवाई में इनका रहा विशेष योगदान

पुलिस कार्रवाई में थाना प्रभारी मंसाराम वगेन, निरीक्षक विक्रम सिंह बघेल, एएसआई नेताम, आरक्षक विशाल सहित थाना नैनपुर के पुलिस स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री आन्नदूत योजना पर इस माह से ग्रहण लगने के आसार

समय पर भुगतान न होने से परिवहनकर्ता नाराज

अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मण्डला (नि.प्र.)

मुख्य मंत्री आन्नदूत योजना के अंतर्गत परिवहन कर्ताओ ने अपनी समस्याओं से जुड़ा एक ज्ञापन सौंपा है। शासन के दिशा निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली पी डी एस के साथ साथ अन्य योजनाओं के अंतर्गत खाद्यान्न परिवहन का कार्य करने वाले परिवहन कर्ताओ को वर्तमान में योजना के जमीनी संचालन में गंभीर वित्तीय और व्यवहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इनकी समस्याओं में डीजल मूल्य वृद्धि के अनुपात में परिवहन दर तथा हम्माली दरों में वृद्धि शामिल है। बताया गया कि योजना के मूल टेंडर और अनुबंधों की शर्तों में प्रावधान था कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि होने पर परिवहन दरों का पुनरीक्षण किया जाएगा। वर्तमान में में डीजल के दामों में में वृद्धि हो चुकी है, किंतु हमारी परिवहन दर यथावत है, जिससे भारी आर्थिक क्षति हो रही है, साथ ही हम्माली दरों में भी वृद्धि की जाये। इसके अलावा समय पर नियमित भुगतान का अभाव व संचालन व्यय का संकट भी बताया

गया है। परिवहन देयकों कर बिलो का समय पर भुगतान नही होने से वाहनों की मासिक बैंक किस्त ई एम आई ,बीमा, नए टायर गाड़ी रखरखाव था दैनिक डीजल खर्च वहन करने में भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है । अत: समस्त परिवहनकर्ताओं को प्रत्येक महिने के 10-15 तारीख के मध्य भुगतान सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाए।

इसके अलावा माह जुलाई एवं अगस्त के समस्त मदो का भुगतान शेष है अन्य योजनाओं के भुगतान के साथ जब तक जुलाई एवं अगस्त माह का भुगतान नहीं हो जाता तब तक आने वाले अक्टूबर माह का आवंटन का उठाव कार्य करने में असमर्थता जताई गई है। जुलाई एवं अगस्त का भुगतान समय पर नहीं किया जाता है तो किसी भी आवंटन में उठाव की देरी की समस्त जिम्मेवारी हम परिवहनकर्ताओं की नहीं मानी जाए।

परिवहन कर्ता अनुबंध की शर्तों के अनुसार बढ़ी हुई डीजल दरों को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन भाड़े में शीघ्र वृद्धि करने की मांग कर रहे हैं। मासिक परिवहन बिलों का भुगतान प्रत्येक माह की 10 से 15 तारीख की समय-सीमा में परिवहनकर्ताओं से बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए। यदि इन न्यायोचित मांगों का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो आर्थिक संकट के कारण हमारे लिए जुलाई और अगस्त 2026 के समस्त मदों का भुगतान समय पर न होने के कारण आगानी समय में वाहनों का सुचारू संचालन जारी रखा पाने में परिवहन कर्ताओ ने अपनी असमर्थता जताई है। जिससे मुख्यमंत्री अन्नदूत योजना में ग्रहण लगता दिखाई दे रहा है।

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में जन्माष्टमी

मण्डला (नि.प्र.) ब्रेन चाइल्ड एकेडमी प्री-स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन उत्साह श्रद्धा और सांस्कृतिक रंगों के साथ किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चे कृष्ण राधा गोपी एवं सुदामा के आकर्षक वेश में विद्यालय पहुंचे और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यालयों में जन्माष्टमी के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति नैतिक मूल्यों एवं श्रीकृष्ण के जीवन से परिचित कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान कार्यक्रम में श्रीकृष्ण जन्म, कृष्ण-सुदामा की स्वर्णिम मित्रता मां

यशोदा और नटखट कान्हा राधा-कृष्ण की मधुर लीलाएं, मटकी फोड़ तथा ट्रेजर हंट जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां एवं गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने अपने मनमोहक नृत्य एवं अभिनय से उपस्थित सभी अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का कुशल निर्देशन एवं नृत्य शिक्षिका चेतना मालवानी तथा स्कूल शिक्षिकाओं द्वारा की गई। शिक्षिका मोनिका कुशवाहा ने संपूर्ण आयोजन की व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।

35वीं बटालियन ग्वारा में कार्यक्रम

मण्डला (नि.प्र.)

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा 35वीं बटालियन ग्वारा में रक्षाबंधन का विशेष कार्यक्रम उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की ओर से ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी एवं ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन ने उपस्थित पुलिस जवानों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में 35वीं बटालियन के उपसैनानी इन्द्र सिंह परस्ते, सहायक सैनानी बलवीर सिंह, सहायक सैनानी बहन रुचिका चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार तेकाम, इंस्पेक्टर अनुपम

कुठार, इंस्पेक्टर निरंजन सिंह, इंस्पेक्टर मनीराम पुशाम, इंस्पेक्टर रामचरन माराम, इंस्पेक्टर प्रताप सिंह नेटी सहित लगभग 100 पुलिस जवानो उपस्थित रहे। उपसेनानी इन्द्रसिंह परस्ते ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस जवानों को मानसिक शांति आत्मीयता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

कार की टक्कर पिता-पुत्र घायल

शिवपुरी। शिवपुरी में गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों घायल हो गए। घायलों में से एक धर्मेंद्र रजक ने आरोप लगाया है कि हादसे के वक्त कार एक नाबालिग लड़की चला रही थी। हादसे के बाद दोनों घायलों को शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद धर्मेंद्र के पिता भजनलाल रजक की हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया। इंद्रा कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र रजक (38) अपनी बाइक (एमपी 33 जेडजी 5936) से न्यू ब्लॉक में अपनी दुकान की ओर जा रहे थे। बाइक पर उनके पिता भजनलाल रजक पीछे बैठे हुए थे। धर्मेंद्र के अनुसार, जैसे ही वे विष्णु मंदिर के पास पुलिया पर पहुंचे, नीलगर चौराहे की ओर से आ रही एक कार (एमपी 33 सी 9001) ने उनकी बाइक में साइड से टक्कर मार दी। इस हादसे में धर्मेंद्र के बाएं पैर में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। वहीं, उनके पिता भजनलाल को पसली, दोनों पैरों और कंधे में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद धर्मेंद्र ने अपने बड़े भाई परमानंद रजक को सूचना दी, जिसके बाद दोनों घायलों को शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। धर्मेंद्र ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि कार एक नाबालिग लड़की चला रही थी। हालांकि, पुलिस ने फिलहाल कार (एमपी 33 सी 9001) और अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईवे पर एक रात में सात गौवंश की मौत

शिवपुरी। जिले के बदरवास थाना क्षेत्र से गुजरने वाले एनएच-46 पर बुधवार रात गौवंश के लिए काली रात साबित हुई। हाईवे के सुमेला बायपास और ईश्वरी ओवरब्रिज पर अलग-अलग सड़क हादसों में तेज रफ्तार ट्रकों ने कुल 9 गौवंश को टक्कर मार दी, जिनमें 7 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायल बताए जा रहे हैं। दोनों घटनाओं की सूचना मिलने के बाद सनातनी गो सेवा समिति की टीम मौके पर पहुंची और घायल गौवंश का उपचार कराने के साथ मृत गौवंश को सड़क से हटाकर किनारे किया।

करैरा में महिला पार्षदों का अनोखा प्रदर्शन, सीएमओ और इंजीनियर के लगाए लापता होने के पोस्टर

नगर संवाददाता, शिवपुरी

नगर परिषद करैरा की कार्यप्रणाली को लेकर महिला पार्षदों ने अनोखे अंदाज में विरोध जताते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी, इंजीनियर और अकाउंटेंट के खिलाफ 'लापता' के पोस्टर लगा दिए। पोस्टर पर लिखा है- नगर की जनता बेहाल, सीएमओ एवं इंजीनियर लापता। विरोध के दौरान पार्षदों ने अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए।

पार्षद शालिनी सोनी और खुशबू यादव का आरोप है कि नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी लंबे समय तक कार्यालय में नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहते, जिसके कारण आम नागरिकों को अपने काम के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पार्षदों का कहना है कि कई बार लोगों को अधिकारियों से मिलने और अपनी समस्याएं बताने के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। पार्षदों ने कथित कमीशन व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नगर परिषद में विभिन्न कार्यों के लिए कथित रूप से कमीशन की व्यवस्था पहले से तय रहती है, जिससे आम जनता के काम प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। महिला पार्षदों ने कहा कि जब नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी ही कार्यालय में उपलब्ध नहीं होंगे तो आम जनता अपनी समस्याएं लेकर आखिर किसके पास जाएगी? उन्होंने अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और नगर परिषद की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने की मांग की है। अब महिला पार्षदों द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों के बाद नगर परिषद की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की उपस्थिति को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इन आरोपों पर नगर परिषद सीएमओ गोपाल गुप्ता का कहना है कि मैं या मेरे स्टाफ का कोई भी कर्मचारी जब भी करैरा से कहीं बाहर जाते हैं तो अपने अधिकारियों और नगर परिषद अध्यक्ष को जानकारी देकर ही जाते हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी पर सिद्धेश्वर मंदिर में आज होगी भजन संध्या

जिलाधीश ने दिए गरिमापूर्ण आयोजन के निर्देश

नगर संवाददाता, शिवपुरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अभिनव पहल पर प्रदेश के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने के उद्देश्य से शिवपुरी में भव्य 'श्रीकृष्ण भजन संध्या' का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति विभाग के अंतर्गत श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं जिला प्रशासन शिवपुरी के संयुक्त तत्वावधान में यह विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम 4 सितंबर (शुक्रवार) को शाम 7 बजे से स्थानीय श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित होगा।

जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर सिद्धेश्वर मंदिर में भजन-कीर्तन एवं अन्य भक्तिमय कार्यक्रमों के लिए कलादलों, भजन मंडलियों एवं सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियां श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, भोपाल एवं जिला प्रशासन के माध्यम से गरिमापूर्ण ढंग से कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के सफल संचालन के लिए संबंधित विभाग एवं जिला प्रशासन आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें। इसके साथ ही जिले के समस्त मंदिरों में विशेष साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के नोडल अधिकारी ने बताया कि श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा प्रदेश के 81 प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों, मठों और धार्मिक स्थलों में इस प्रकार के भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शिवपुरी जिले के नागरिकों और श्रद्धालुओं के लिए श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन पर्व के उपलक्ष्य में इस भव्य और भक्तिमय संध्या का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का मुख्य आकर्षण शास्त्रीय संगीत की समृद्ध एवं प्राचीन ध्रुपद शैली होगी। कार्यक्रम में ग्वालियर के प्रख्यात कलाकार श्रीमती यखलेश बघेल, सुश्री योगिनी ताम्बे एवं तेजस भाटे द्वारा विशेष रूप से ध्रुपद शैली में भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति और भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन शिवपुरी द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला प्रशासन एवं जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद ने समस्त धर्मप्रेमी जनता, प्रबुद्धजनों और संगीत प्रेमियों को इस गरिमामयी एवं भक्तिमय संध्या में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने के लिए सादर आमंत्रित किया है।

बलदाऊजी के मंदिर में धूमधाम से मना जन्मोत्सव, छप्पन भोग लगा प्रसाद

■ नीलगर चौराहा स्थित 100 साल पुराने मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पूरे देश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम के बीच शिवपुरी में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलदाऊ जी का जन्मोत्सव बुधवार को भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया।

शहर के पुरानी शिवपुरी स्थित नीलगर चौराहे के पास एक मकान के अंदर स्थित बलदाऊ जी के मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया और भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

शिवपुरी का एकमात्र बलदाऊ जी का मंदिर

यह मंदिर शिवपुरी का एकमात्र बलदाऊ जी का मंदिर है और स्थानीय लोगों के अनुसार 100 साल से भी अधिक पुराना है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बलदाऊ जी को बलराम जी के नाम से भी जाना जाता है। वे भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई हैं और शेषनाग के अवतार माने जाते हैं। उन्हें हलधर भी कहा जाता है, क्योंकि वे अपने साथ हल धारण करते हैं।

चार पीढ़ियों से जारी है मंदिर की पूजा

मंदिर में पूजा करने वाले पुजारी बंटी ने बताया कि उनके परिवार की चार पीढ़ियां इस मंदिर में सेवा कर रही हैं। उनके दादा, परदादा और पिता ने भी यहां पूजा-अर्चना की है और यह परंपरा आज भी जारी है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले मनाया जाता है बलराम जी का जन्मोत्सव

सामाजिक और धार्मिक कार्यों से जुड़े मनीष शिवहरे ने बताया कि बलराम जयंती श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से दो दिन पहले मनाई जाती है। शिवपुरी में बलदाऊ जी का यह एकमात्र मंदिर होने से इसका विशेष महत्व है। बुधवार को बलराम जयंती पर यहां दिनभर धार्मिक कार्यक्रम चले और बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

काली पहाड़ी पर क्रेशर लीज को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश, जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों ने जनहित और पर्यावरण सुरक्षा का हवाला देकर की कार्रवाई की मांग

नगर संवाददाता, शिवपुरी

नरवर तहसील के ग्राम काली पहाड़ी मेड़ा में शासकीय पहाड़ पर प्रस्तावित क्रेशर को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने गुरुवार को जिलाधीश के नाम ज्ञापन सौंपकर सर्वे नंबर 929 स्थित शासकीय पहाड़ पर क्रेशर संचालन के लिए प्रस्तावित अथवा स्वीकृत लीज को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। बड़ी संख्या में युवा जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और जिलाधीश अर्पित वर्मा से लीज निरस्त करने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार यह लीज हाकिम रावत और राजेश रावत के नाम होना बताया जा रहा है।

युवाओं का कहना है कि सर्वे नंबर 929 में करीब 20.87 हेक्टेयर शासकीय पहाड़ी क्षेत्र है, जो गांव के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। ग्रामीणों के अनुसार इस पहाड़ पर प्राचीन सिद्धबाबा मंदिर एवं धाती बाबा का स्थान भी स्थित है, जहां लंबे समय से ग्रामीण पूजा-पाठ और साफ-सफाई करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि यहां क्रेशर एवं खनन गतिविधियां शुरू होने से धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ प्राकृतिक पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच सकता है।

आबादी के नजदीक क्रेशर लगाने का विरोध

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि पहाड़ के आसपास गांव की आधी से अधिक आबादी निवास करती है। यदि यहां गिट्टी क्रेशर एवं खनन का कार्य शुरू होता है तो धूल और प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने दमा, टीबी एवं सिलिकोसिस जैसी बीमारियों का खतरा भी जताया है। वहीं, ब्लास्टिंग के कारण मकानों में दरारें आने तथा कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी व्यक्त की गई है। ग्रामीणों ने कहा कि खनन शुरू होने की स्थिति में उन्हें अपने घर छोड़कर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके की जांच कराने की मांग की है।

वर्ष 2023 में भी दर्ज कराई गई थी आपत्ति

ग्रामीणों के अनुसार क्रेशर लीज से संबंधित प्रक्रिया को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2023 में ग्राम पंचायत काली पहाड़ी मेड़ा की तत्कालीन सरपंच ने आपत्ति दर्ज कराई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि आपत्ति के निराकरण की जानकारी ग्रामवासियों को नहीं दी गई और ग्रामसभा की सहमति भी नहीं ली गई।

नापतौल को लेकर विवाद में धमकी देने का आरोप

ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 30 अगस्त 2026 को हाकिम रावत और राजेश रावत अपने साथियों के साथ वाहन और नापतौल संबंधी उपकरण लेकर पहाड़ क्षेत्र में पहुंचे। ग्रामीणों के पूछने पर उन्होंने क्रेशर के लिए प्रक्रिया चलने की बात कही। ग्रामीणों का आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें धमकाया गया। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और संबंधित लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने इस मामले में पटवारी एवं तहसीलदार पर भी धमकाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने जिलाधीश से मांग की कि जनहित, पर्यावरण, ग्रामीणों की सुरक्षा और धार्मिक स्थल की स्थिति को देखते हुए सर्वे नंबर 929 की जांच कराई जाए तथा क्रेशर लीज की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए। ज्ञापन देने के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पोस्टमार्टम हाउस से कॉपर चोरी, फ्रीजरों के कंप्रेसर और स्टेबलाइजर का सामान गायब

सिविल सर्जन ने पुलिस को लिखा पत्र

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोर दो शव रखने वाले फ्रीजरों से कंप्रेसर, कॉपर पाइप और कॉपर केबल सहित स्टेबलाइजर का सामान निकाल ले गए। चोरी के कारण शवों को सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल होने वाले फ्रीजरों की व्यवस्था प्रभावित हुई है।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, चोर पोस्टमार्टम हाउस में रखे दो फ्रीजरों के कंप्रेसर, कॉपर पाइप और कॉपर केबल चोरी कर ले गए। इसके अलावा स्टेबलाइजर से जुड़ा सामान भी गायब मिला है। चोरी का पता चलने के बाद अस्पताल के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। नोडल अधिकारी और को-नोडल अधिकारी ने चोरी की सूचना अस्पताल प्रबंधन को दी। इसके बाद सिविल सर्जन एवं मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रामप्रताप सिंह चौहान ने सिटी कोतवाली पुलिस को पत्र भेजकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। फरियादी आयुष खरे के आवेदन और अस्पताल प्रबंधन की शिकायत के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। आयुष खरे पोस्टमार्टम हाउस के पास शिवपुरी के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस अब चोरी की घटना की जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्रभारी बनने पर रावत का दिनारा में स्वागत

दिनारा। जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता अंशुमान रावत (खुदावली) को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला ग्वालियर नगर का जिला प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा मंडल दिनारा ने स्वागत एवं सम्मान कर पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। स्वागत अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनारा रिंकू यादव, हरिओम चतुर्वेदी, मंडल महामंत्री संतोष जाटव, उपाध्यक्ष राहुल यादव, मंत्री दीपक राजपूत, एडवोकेट रितुराज यादव, युवा भाजपा नेता जितेंद्र योगी, प्रियांश राजोरिया आदि शामिल रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अंशुमान रावत को दी गई जिम्मेदारी उनके संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता, जमीनी जुड़ाव और कुशल नेतृत्व क्षमता का सम्मान है।

नरवर में तोप चोरी के विरोध में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

नरवर किले से ऐतिहासिक तोप चोरी होने के मामले को लेकर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए, जिससे प्रशासन के सामने लोगों का आक्रोश साफ नजर आया। कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी लौड़ी माता मंदिर से पैदल मार्च करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे, जहां तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ऐतिहासिक तोप को जल्द से जल्द बरामद कर नरवर वापस लाने की मांग की गई।

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस एवं प्रशासन से सवाल करते हुए कहा कि नरवर की ऐतिहासिक धरोहर आखिर कब वापस आएगी? लोगों ने मामले में तेजी से कार्रवाई कर तोप बरामद करने की मांग की।

तोप वापस नहीं आई तो होगा बड़ा आंदोलन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि ऐतिहासिक तोप जल्द बरामद कर नरवर वापस नहीं लाई गई तो आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों लोगों की मौजूदगी ने प्रशासन के सामने इस मुद्दे की गंभीरता को उजागर कर दिया। अब सभी की नजरें पुलिस और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। इस अवसर पर शिवपुरी जिला प्रभारी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री लाखन सिंह यादव, विधायक पोहरी कैलाश कुशवाहा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, पूर्व विधायक प्रागीलाल बघेल, अरविंद लोधी, भरत रावत, संजय चतुर्वेदी, राधाकृष्ण धाकड़ सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सरपंचगण, वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

छह विक्रेताओं पर की गई वैधानिक कार्रवाई

राशन वितरण में गड़बड़ी करने वाले जाएंगे जेल : जिलाधीश

राशन वितरण में अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा द्वारा राशन वितरण व्यवस्था को सुगम और पारदर्शी बनाने तथा प्रत्येक पात्र हितग्राही को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। उनके द्वारा स्वयं इसकी निरंतर निगरानी भी की जा रही है। इसी क्रम में राशन वितरण में अनियमितता कर कानून-व्यवस्था भंग होने की स्थिति निर्मित करने वाले 6 राशन विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें सीधे जेल भेज दिया गया है।

जिलाधीश अर्पित वर्मा द्वारा आज कोलारस एसडीएम कार्यालय में राशन वितरण की केंद्रवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान शासकीय उचित मूल्य दुकान बामोरखुर्द एवं श्रीपुरा में गंभीर गड़बड़ी उजागर हुई। जांच में पाया गया कि दुकानों की पीओएस मशीन में राशन का इंद्राज दर्ज था, किंतु भौतिक सत्यापन के दौरान खाद्यान्न उपलब्ध नहीं मिला और न ही हितग्राहियों को इसका वितरण किया गया था। इस अनियमितता के कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त हुआ, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था भंग होने की स्थिति निर्मित हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधीश श्री वर्मा ने तत्काल कड़ा रुख अपनाया। उनके निर्देश पर बामोरखुर्द के विक्रेता माधौ सिंह यादव एवं श्रीपुरा के विक्रेता धनपाल सिंह के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए दोनों को सीधे जेल भेज दिया गया। इसके साथ ही शासकीय उचित मूल्य दुकान अकोदा, तहसील रन्नौद में भी राशन वितरण में अनियमितता पाए जाने पर विक्रेता गोलू लोधी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

पिछोर अनुविभाग में तीन विक्रेताओं पर कार्रवाई

इसी क्रम में अनुविभाग पिछोर के अंतर्गत राशन वितरण में अनियमितता पाए जाने पर जिलाधीश अर्पित वर्मा के निर्देश पर एसडीएम पिछोर द्वारा 3 अन्य राशन विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। इनमें शासकीय उचित मूल्य दुकान निवोदा के विक्रेता पुष्पेंद्र, शासकीय उचित मूल्य दुकान सिनावलकलां के विक्रेता भगवानलाल तथा शासकीय उचित मूल्य दुकान बघावारा के विक्रेता सतेंद्र शामिल हैं।

बड़ोखरा में सेल्समैन का अवैध अतिक्रमण किया ध्वस्त

इसके अलावा गत दिवस ग्राम बड़ोखरा (बदरवास) में जिलाधीश अर्पित वर्मा के औचक निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने सेल्समैन पर फिंगरप्रिंट लगवाकर 3 माह से राशन नहीं देने का आरोप लगाया था। इस पर उन्होंने स्वयं की निगरानी में हितग्राहियों को राशन बंटवाया और तहसीलदार सचिन भार्गव को दोषी सेल्समैन पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। दुकान विक्रेता लगातार अनुपस्थित है। इस स्थिति में आज तहसीलदार सचिन भार्गव के नेतृत्व में टीम ने सेल्समैन के गृह ग्राम सेमरी पहुंचकर जांच की और कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर बना अवैध मकान जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। जिलाधीश अर्पित वर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे स्वयं मैदान में जाकर एक-एक उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण करें और जहां भी राशन वितरण में कमी पाई जाए, वहां त्वरित जांच की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गरीबों के हक का राशन हड़पने वालों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें सीधे जेल भेजा जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान अपर जिलाधीश दिनेश चंद्र शुक्ला, कोलारस एसडीएम शिवदयाल धाकड़, खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे, सहकारिता विभाग के अधिकारी तथा तहसीलदार कोलारस उपस्थित रहे।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था का बेहतर प्रबंधन

राष्ट्रीय आय संबंधी आंकड़े सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़े बता रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि की राह पर चल रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अर्थात अप्रैल से जून के तीन महीने में कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है,बीते वर्ष यह 6.9 प्रतिशत थी। वैसे देखा जाए तो यह तिमाही खासी अहम भी थी क्योंकि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली पूरी तिमाही थी। आंकड़े तो यही बताते हैं कि युद्ध का असर उतना गंभीर नहीं रहा जितनी आशंका शुरुआती दिनों में थी। यद्यिप भारत कच्चे तेल और गैस की अधिकांश जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और संकट के शुरुआती दिनों में आपूर्ति बाधित भी रह चुकी है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट के कारण इन बाधाओं को देखते हुए यह कहना उचित होगा कि इस अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था का प्रबंधन बेहतर रहा। सकल मूल्यवर्धन में इस तिमाही के दौरान 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज भी की गई। समग्र वृद्धि को द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन का सहारा मिला। द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण गतिविधि में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निर्माण क्षेत्र में भी सुधार हुआ और इसकी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही। तृतीयक क्षेत्र में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि प्राथमिक क्षेत्र का प्रदर्शन इस तिमाही में कमजोर रहा। यानी कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 4.4 प्रतिशत थी। माना जा रहा है कि इस वर्ष सामान्य से कम मॉनसून के कारण कृषि वृद्धि दबाव में रहेगी। इसके अलावा तिमाही में खनन और उत्खनन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, निवेश का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसमें पांच फीसदी ज्यादा यानी 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वैसे तो जीडीपी में पूंजी निर्माण की हिस्सेदारी भी वर्तमान कीमतों पर बढ़कर 34.3 प्रतिशत हो गई है लेकिन यह भी महत्त्वपूर्ण होगा कि पूंजी निर्माण में यह वृद्धि कितनी व्यापक है और क्या आने वाली तिमाहियों में इसे कायम रखा जा सकता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आर्थिक वृद्धि को 2025 में प्रत्यक्ष करों में दी गई राहत और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गई कटौती जैसे कदमों से सहारा मिला। महंगाई के अनुमान भी संकेत देते हैं कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। गौरतलब है कि वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है तथा कच्चे तेल कि की कीमतें अब भी ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा आने वाले महीनों में वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों में उल्लेखनीय सख्ती का जोखिम है जिसका असर पूंजी प्रवाह और निवेश पर पड़ सकता है। ये सभी कारक आर्थिक गतिविधियों और वृद्धि को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अर्थव्यवस्था को आगे भी सावधानीपूर्वक प्रबंधन की जरूरत रहेगी।

अब केंद्रीय बजट पर बढ़ते संभावित दबाव को देखते हुए यह महत्त्वपूर्ण होगा कि वित्त वर्ष के बाकी हिस्से में पूंजीगत व्यय प्रभावित न हो। आर्थिक वृद्धि की गति बनाए रखने के लिहाज से यह महत्त्वपूर्ण भी होगा। पहली तिमाही का प्रभावशाली नतीजा जता रहा है कि आगे इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए बेहतर प्रबंधन की जरूरत होगी। प्रधानमंत्री ने इन आंकडों के सामने आने के बाद लोगों से सोना खरीदी नहीं करने और विदेशों में पर्यटन में किफायत की अपील करके विदेशी मुद्रा भंडार को दबाव से बचाने की प्राथमिकता भी जाहिर की है।

सुविचार

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।

ज्ञानवाणी

विंध्य पर्वत और अगस्त्य मुनि

प्राचीन काल में देवर्षि नारद विचरण करते हुए विंध्याचल पर्वत के पास पहुँचे। नारद ने विंध्याचल की विशालता की प्रशंसा तो की, परंतु बातों-बातों में कह दिया हे विंध्याचल! तुम विशाल तो हो, परंतु सुमेरु पर्वत की बराबरी नहीं कर सकते। साक्षात भगवान सूर्य और चंद्र नित्य सुमेरु की परिक्रमा करते हैं, जिससे उसका मान तुमसे कहीं अधिक है नारद की यह बात विंध्याचल के अहंकार को चुभ गई। ईर्ष्या की ज्वाला में जलते हुए विंध्याचल ने आकाश की ओर बढ़ना प्रारंभ किया प्रतिदिन बढ़ता गया। वह इतना ऊँचा उठ गया कि उसने सूर्य, चंद्रमा और समस्त नक्षत्रों का मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया आकाश में सूर्य का रथ रुक गया संसार का आधा भाग निरंतर अंधकार और बर्फीली ठंड में डूब गया, जबकि दूसरा भाग सूर्य की भीषण तपन से जलने लगा ऋतु-चक्र नष्ट हो गया, यज्ञ-हवन बंद हो गए और पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई समस्त देवता, गंधर्व और ऋषि-मुनि घबराकर देवाधिदेव महादेव की शरण में पहुँचे। तब भगवान शिव ने देवताओं से कहा कि विंध्याचल के इस बढ़ते हुए अहंकार को कोई अस्त्र-शस्त्र नहीं रोक सकता। विंध्याचल केवल अपने गुरु महर्षि अगस्त्य का मान करता है। अगस्त्य मुनि ही इस प्रलय से जगत की रक्षा कर सकते हैं देवताओं की प्रार्थना पर महर्षि अगस्त्य अपनी पत्नी लोपामुद्रा के साथ उत्तर भारत (काशी) को छोड़कर दक्षिण दिशा की ओर प्रस्थान करने के लिए तैयार हो गए। जैसे ही महर्षि अगस्त्य विंध्याचल पर्वत की तलहटी में पहुँचे, उनका प्रचंड तपो-तेज देखकर विंध्याचल पर्वत थर-थर कांप उठा अपने गुरुदेव को सामने खड़े देखकर विंध्याचल का सारा अहंकार क्षण भर में मिट गया। उसने तुरंत अपना शीश झुकाया और अगस्त्य मुनि के चरणों में साष्टांग लेट गया। अगस्त्य मुनिजानते थे कि जैसे ही वे यहाँ से आगे बढ़ेंगे, विंध्याचल पुनः आकाश को छूने के लिए खड़ा हो जाएगा तो मुनि ने मुस्कुराते हुए अपने कमंडलु से जल का आचमन किया और अत्यंत शांत किंतु दृढ़ वाणी में कहा ÷हे विंध्य! मैं धर्म-कार्य के निमित्त अपनी पत्नी सहित दक्षिण दिशा की यात्रा पर जा रहा हूँ। जब तक मैं दक्षिण से उत्तर की ओर वापस लौटकर न आऊँ, तब तक तुम इसी प्रकार मेरे चरणों में झुके रहोगे इस पर विंध्याचल ने हाथ जोड़कर वचन दिया। इसके बाद महर्षि अगस्त्य कभी भी उत्तर की ओर वापस नहीं लौटे; वे सदा के लिए दक्षिण भारत (अगस्त्यकूट पर्वत) में ही बस गए अपने गुरु को दिए वचन के कारण विंध्याचल पर्वत आज भी उसी प्रकार झुका हुआ स्थित है।

सेहत

बारिश के मौसम में बच्चे नहीं होंगे बीमार, देना होगा थोड़ा ध्यान

आमतौर पर मौसमी बीमारियां के चपेट में आने का मुख्य कारण हमारी इम्यूनिटी ही होती है। खासतौर पर बच्चों का इस मौसम में खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है। बारिश के मौसम में सेहत का विशेष ख्याल रखने की जरूरत होती है। इस समय में बाहर के खाने और एक्स्ट्रा स्पाइसी फूड अवाइड करना होता है। इसके अलावा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। पेट के इनफेक्शन, सर्दी-जुकाम समेत वायरल बुखार इन दिनों सबसे ज्यादा परेशान करता है।जानें इस मौसम में अपना और बच्चों को ध्यान कैसे रखें।

आसपास की जगहों को साफ-स्वच्छ रखें

घर में कई ऐसी जगहें होती हैं जहां आपकी पहुंच नहीं हो पाती है या आप हमेशा साफ नहीं करते हैं। साथ ही साथ मानसून के मौसम में जलजमाव भी रोगों को बढ़ावा देने का काम करती है। इन स्थानों पर पनपने वाले किटाणु, बैक्टीरिया, कॉकरोच या मलेरिया व डेंगू वाले मच्छर आपके बच्चों को गंभीर रूप से बीमार कर सकते हैं। ऐसे में इन स्थानों को हमेशा स्वच्छ करें, जलजमाव होने न दें।

जंक व पैक्ड फूड का सेवन न करें

डॉक्टरों की मानें तो मानसून में खुले में रखे जंक फूड में कीड़े लगने की संभावनाएं अधिक होती है। ठीक उसी तरह पैक्ड फूड में भी बैक्टिरीया या फंगस लग सकता है। ऐसे में कोशिश करें की इस दौरान बच्चों को पूरी तरह से पका हुआ घर का भोजन दें। हरी, साग-सब्जियों के अलावा फल, दलिया, खीचड़ी, ताजा डेयरी प्रोडक्ट आदि दे सकते हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूती से बढ़ती विकास यात्रा

रोहित माहेश्वरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती का प्रदर्शन कर रही है। सितंबर की शुरुआत में सामने आए आर्थिक आंकड़े देश के लिए दोहरी नहीं, बल्कि चौतरफा खुशखबरी लेकर आए हैं। इतना ही नहीं, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में देश की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ी है। हम इसे नकार नहीं सकते, क्योंकि यह भारत सरकार के 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' यानी एनएसओ के अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है।

यह विकास दर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान युद्ध का कालखंड रहा है। युद्ध के कारण तेल-गैस, उर्वरक, खाद्य और अन्य सामान के संकट दुनिया ने झेले हैं और युद्ध अब भी जारी है। सप्लाई चेन अब भी बाधित है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी लगभग बंद है। ईरान का डंडा चल रहा है, बेशक अमेरिका कुछ भी दावे करे। युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। यकीनन देश प्रगति कर रहा है।

इन आंकड़ों को मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों, सुधारों, मजबूत राजकोषीय प्रबंधन और देश में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों के सकारात्मक परिणाम के तौर पर देखा जा सकता है। यह संकेत है कि भारत वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपनी विकास यात्रा को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 729.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, वहीं अगस्त 2026 में सकल वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी कलेक्शन 14.8 प्रतिशत बढ़कर 1,99,853 करोड़ रुपये रहा। नेट प्रत्यक्ष कर संग्रह भी 23 प्रतिशत बढ़कर 8.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था। बाद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने न केवल 'मृत अर्थव्यवस्था' करार दिया, बल्कि 'आर्थिक सुनामी' की भविष्यवाणी भी की। देश ने दोनों को ही गंभीरता से नहीं लिया और अब 'विकास की सुनामी' का यथार्थ सामने है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आर्थिक मोर्चे पर लगातार अच्छी खबर आ रही है। अब टैक्सपेयर ने सरकार का खजाना भर दिया है। मोदी सरकार की नीतियों के कारण चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त, 2026 तक देश का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.09 प्रतिशत बढ़कर 8.11 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया । शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स संग्रह 2.26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.70 लाख करोड़ रुपये, जबकि गैर-कॉरपोरेट टैक्स संग्रह 4.11 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 5.07 लाख करोड़ रुपये हो गया। आंकड़े बताते हैं कि प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूती के साथ सरकार की राजस्व स्थिति भी लगातार बेहतर हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आर्थिक मोर्चे पर लगातार अच्छी खबर आ रही है। अब टैक्सपेयर ने सरकार का खजाना भर दिया है। मोदी सरकार की नीतियों के कारण चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त, 2026 तक देश का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.09 प्रतिशत बढ़कर 8.11 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया । शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स संग्रह 2.26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.70 लाख करोड़ रुपये, जबकि गैर-कॉरपोरेट टैक्स संग्रह 4.11 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 5.07 लाख करोड़ रुपये हो गया। आंकड़े बताते हैं कि प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूती के साथ सरकार की राजस्व स्थिति भी लगातार बेहतर हो रही है। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक'रहा है, लेकिन कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मोदी सरकार के बैंकिंग सुधारों, फंसे कर्ज की पहचान और समाधान की रणनीति का असर अब बैंकिंग क्षेत्र की मजबूत होती बैलेंस शीट में साफ दिखाई दे रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक की जून 2026 में जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2026 के अंत तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर महज 1.8 प्रतिशत रह गया, जो कई दशकों का सबसे निचला स्तर है। वहीं शुद्ध एनपीए अनुपात भी घटकर 0.4 प्रतिशत पर आ गया है।

भारत अब सबसे ज्यादा फॉरेक्स रिजर्व रखने वाले देशों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इस सूची में चीन सबसे आगे है। उसके पास करीब 3.42 ट्रिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। जापान करीब 1.29 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे और स्विट्जरलैंड करीब 1.09 ट्रिलियन डॉलर के रिजर्व के साथ तीसरे पायदान पर है। भारत की स्थिति इसलिए भी खास है क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका इस मामले में टॉप-10 में शामिल नहीं है। अमेरिका के पास करीब 253 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। यानी भारत का फॉरेक्स रिजर्व अमेरिका के मुकाबले करीब तीन गुना है। यह आंकड़ा बताता है कि विदेशी मुद्रा के मामले में भारत की स्थिति कितनी मजबूत हुई है।

अमेरिका-ईरान- इजरायल और रूस-यूक्रेन संकट के कारण जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था डांवाडोल हाल में है, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था तमाम चुनौतियों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों ने अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, जिससे विदेशी निवेशकों की भारत के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है। दुनिया भर के अरबपतियों के लिए भारत एक प्रमुख इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। हाल ही में आई यूबीएस बिलियनेर एंबिशंस रिपोर्ट के अनुसार भारत जल्द ही निवेश का एक गढ़ बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर के अरबपति लोग अपना ज्यादा से ज्यादा पैसा भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में लगाना चाहते हैं क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था मजबूत होने के साथ उनके अनुकूल है। किसी प्रधानमंत्री का देशवासियों से यह कहना कि अनावश्यक सोना न खरीदें, विदेश यात्रा टालें और विदेश में शादियां करने के बजाय देश में ही खर्च करें, पहली नजर में कुछ असामान्य लग सकता है। आखिर सरकारें आम तौर पर लोगों से खर्च बढ़ाने, बाजार में मांग पैदा करने और उपभोग को गति देने की अपील करती हैं।

श्रीकृष्ण : विधि की आत्मा और न्याय की आवाज

जन्माष्टमी पर एक न्यायविद् की दृष्टि से श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व का पुनर्पाठ

हिदायत उल्ला खान, जिला न्यायाधीश

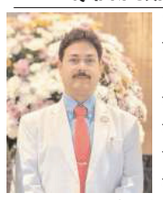

भगवान श्रीकृष्ण का शाश्वत व्यक्तित्व केवल आस्था और अध्यात्म का विषय नहीं है, बल्कि विधि, न्याय, नीति और लोककल्याण की जीवंत व्याख्या भी है। यदि महाभारत को धर्म-अधर्म के साथ-साथ न्याय-अन्याय के संघर्ष का महाकाव्य माना जाए, तो श्रीकृष्ण उसमें ऐसे व्यावहारिक न्याय-दृष्टा के रूप में सामने आते हैं, जो विधि के अक्षर से अधिक उसकी आत्मा और उद्देश्य को महत्व देते हैं। उनके लिए किसी व्यवस्था की सार्थकता केवल नियमों के पालन में नहीं, बल्कि सत्य की प्रतिष्ठा, निर्बल की रक्षा, अन्याय के प्रतिरोध और न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना में है।

द्रौपदी की अस्मिता की रक्षा से लेकर पाण्डवों के अधिकारों की स्थापना तक, और शांति के अंतिम प्रयास से लेकर अधर्म के प्रतिरोध तक, श्रीकृष्ण का जीवन यह संदेश देता है कि न्याय केवल निष्क्रिय सहनशीलता का नाम नहीं है। अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी न्याय का अनिवार्य पक्ष है।

एक न्यायविद् की दृष्टि से श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषता उनका विवेकपूर्ण न्याय-बोध है। वे परिस्थितियों को केवल नियमों के बाहरी आवरण से नहीं देखते, बल्कि उनके पीछे छिपे उद्देश्य और व्यापक लोकहित को समझते हैं। महाभारत में वे पहले संवाद, समझ और शांति का मार्ग अपनाते हैं। वे युद्ध को पहला नहीं, बल्कि अंतिम विकल्प मानते हैं। जब न्यायपूर्ण समाधान के सभी शांतिपूर्ण द्वार बंद हो जाते हैं, तभी संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है।गीता में अर्जुन को दिया गया उनका संदेश भी इसी व्यापक न्याय-दृष्टि की ओर संकेत करता है। वे अर्जुन को मोह, भय, व्यक्तिगत संबंधों और स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की प्रेरणा देते हैं। यहां कर्तव्य का अर्थ मात्र किसी नियम का यांत्रिक पालन नहीं, बल्कि व्यापक धर्म और न्याय की स्थापना के लिए अपने उत्तरदायित्व को समझना है।

श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व में प्राकृतिक न्याय, समता, न्यायोचित प्रक्रिया, करुणा और परिस्थितियों के अनुरूप विवेकपूर्ण निर्णय–इन सभी का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनका जीवन यह भी बताता है कि न्याय-व्यवस्था का उद्देश्य केवल विवादों का निपटारा करना नहीं, बल्कि समाज में सत्य, विश्वास और संतुलन की स्थापना करना है।

श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से यह संदेश उभरता है कि जहां नियम न्याय की रक्षा करते हों, वहां उनका पालन व्यवस्था और धर्म दोनों की रक्षा करता है; लेकिन जब किसी नियम की व्याख्या या उसका प्रयोग स्वयं अन्याय को बढ़ावा देने लगे, तब न्याय की मूल भावना और व्यापक उद्देश्य को समझना आवश्यक हो जाता है। यही वह बिंदु है जहां विधि का अक्षर और विधि की आत्मा एक-दूसरे से संवाद करते हैं।

श्रीकृष्ण का न्याय-बोध हमें यह भी सिखाता है कि न्याय केवल अधिकारों की बात नहीं करता, वह कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। व्यक्ति, समाज और शासन–सभी की अपनी-अपनी जिम्मेदारियां हैं। जब अधिकार और कर्तव्य के बीच संतुलन कायम होता है, तभी न्यायपूर्ण समाज की नींव मजबूत होती है।आज के समय में, जब समाज अनेक प्रकार के मतभेदों, असहमतियों और स्वार्थों से घिरा है, श्रीकृष्ण का संदेश और अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। संवाद को प्राथमिकता देना, कमजोर के पक्ष में खड़ा होना, अन्याय का प्रतिरोध करना, परिस्थितियों का विवेकपूर्ण मूल्यांकन करना और लोककल्याण को निर्णयों का आधार बनाना–ये सभी मूल्य किसी एक युग तक सीमित नहीं हैं।

इसी अर्थ में श्रीकृष्ण केवल द्वापर युग के नायक नहीं हैं। वे हर युग में सत्य, न्याय, कर्तव्य और विवेक के पथप्रदर्शक हैं। जन्माष्टमी का पर्व केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उस जीवन-दृष्टि को स्मरण करने का अवसर भी है, जो हमें बताती है कि न्याय तभी सार्थक है, जब उसमें सत्य के साथ करुणा, नियम के साथ विवेक और अधिकार के साथ कर्तव्य का संतुलन हो।

श्रीकृष्ण का विराट व्यक्तित्व हमें यही प्रेरणा देता है कि न्याय को केवल कानून की किताबों में नहीं, बल्कि जीवन और समाज के आचरण में भी स्थापित किया जाए। यही विधि की आत्मा है और यही न्याय की सच्ची आवाज भी।

अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक हैं कृष्ण

योगेश कुमार गोयल

भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी का पावन पर्व सम्पूर्ण भारतवर्ष में भारतीय जनमानस के नायक, योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जीवन-दर्शन में श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व और उनके लोककल्याणकारी संदेशों का स्मरण कराने वाला पर्व है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में रोहिणी नक्षत्र और वृष राशि के संयोग में मथुरा के कारागार में वसुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ था। अत्याचारी कंस के आतंक से त्रस्त मथुरा में श्रीकृष्ण का जन्म अन्याय और अधर्म के विरुद्ध धर्म, सत्य और न्याय की विजय की आशा का प्रतीक बना। पौराणिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के पूर्णावतार माने जाते हैं और उनके व्यक्तित्व में बाल-सुलभ चंचलता, अद्भुत करुणा, अनुपम प्रेम, असाधारण पराक्रम, दूरदर्शी कूटनीति तथा गहन आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने भगवद्गीता के माध्यम से कर्म, धर्म और कर्तव्य का ऐसा कालजयी संदेश दिया, जो आज भी मानवता का मार्गदर्शन करता है। इस वर्ष 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की 5253वीं जन्माष्टमी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जा रही है। मंदिरों में विशेष सजावट, झांकियों, भजन-कीर्तन और मध्यरात्रि में भगवान के जन्मोत्सव के साथ यह पर्व भारतीय सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। जन्माष्टमी के दिन देशभर में मंदिरों को सजाया जाता है, लोग रात्रि के 12 बजे तक व्रत रखते हैं और रात्रि 12 बजे शंख और घंटों की ध्वनि के जरिये भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खबर चारों दिशाओं में गूंज उठती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्याकाल में अनेकों लीलाएं की, जन्माष्टमी के अवसर पर ऐसी ही अनेक लीलाओं का मंचन किया जाता है। सही मायनों में श्रीकृष्ण हमारे इतिहास के अभिन्न अंग हैं, जिनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व जितना मोहक था, उतना ही रहस्यमयी भी और उतनी ही अनोखी थी उनकी लीलाएं। बाल्यावस्था से लेकर जीवनपर्यन्त लीलाएं करते रहे श्रीकृष्ण में कभी भगवान के दर्शन होते हैं तो कभी वे एक साधारण मानव सरीखे प्रतीत होते हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मानव के रूप में भी श्रीकृष्ण उतना ही आकर्षित करते हैं, जितना कि भगवान के रूप में। उनका एक-एक कार्य मन में गहरा स्थान बना जाता है। उनके आदर्श, उनके जीवन की विद्वत्ता, वीरता, कूटनीति, योगी सदृश उज्जवल, निर्मल एवं प्रेरणादायक पक्ष, सब हमारे लिए अनुकरणीय हैं। श्रीकृष्ण को प्रेम एवं मित्रता के अनुपम प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। बचपन के निर्धन मित्र सुदामा को उन्होंने अपने राज्य में जो मान-सम्मान दिया, वह मित्रता का अनुकरणीय उदाकरण बना। श्रीकृष्ण की लीलाओं को समझना जहां पहुंचे हुए ऋषि-मुनियों और बड़े-बड़े विद्वानों के बूते से भी बाहर था, वहीं अनपढ़, गंवार माने जाते रहे निरक्षर और भोले-भाले ग्वाले और गोपियां उनका सानिध्य पाते हुए उनकी दिव्यता का सुख पाते रहे। उन्हें कन्हैया कहें या कृष्ण, पीताम्बर कहें या वासुदेव या फिर देवकीनंदन अथवा यशोदानंदन, वास्तव में श्रीकृष्ण का भारतीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। वे महाभारत काल के ऐसे आध्यात्मिक एवं राजनीतिक दृष्टा रहे, जिन्होंने धर्म, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए दुर्जनों का संहार किया। वे शांति, प्रेम एवं करूणा के साकार रूप थे। महाभारत युद्ध के समय शांति के सभी प्रयास असफल होने पर उन्होंने संशयग्रस्त धनुर्धारी अर्जुन को ज्ञान का उपदेश देकर कर्त्तव्य मार्ग पर अग्रसर किया और अन्याय की सत्ता को उखाड़ने के लिए अपने ही कौरव भाईयों के साथ युद्ध करते हुए उन्हें अपने कर्मों का पालन करने के लिए गीता का उपदेश दिया। युद्ध के समय वे हर पल धर्म की रक्षा करने के लिए अधर्म करने वालों के खिलाफ खड़े नजर आए, इसीलिए उन्हें अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। गीता में उपदेश देते हुए श्रीकृष्ण ने कहा थाः-

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानम धर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।।

अर्थात् हे भारत! जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब ही मैं अपने रूप को रचता हूं अर्थात् साकार रूप से लोगों के सम्मुख प्रकट होता हूं।

बाल्याकाल से लेकर बड़े होने तक श्रीकृष्ण की अनेक लीलाएं विख्यात हैं। श्रीकृष्ण ने अपने बड़े भाई बलराम का घमंड तोड़ने के लिए हनुमान जी का आव्हान किया था, जिसके बाद हनुमान ने बलराम की वाटिका में जाकर बलराम से युद्ध किया और उनका घमंड चूर-चूर कर दिया था। श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक असुर के बंदीगृह से 16100 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया था, जिन्हें समाज द्वारा बहिष्कृत कर दिए जाने पर उन महिलाओं ने श्रीकृष्ण से अपनी रक्षा की गुहार लगाई और तब श्रीकृष्ण ने उन सभी महिलाओं को अपनी रानी होने का दर्जा देकर उन्हें सम्मान दिया था।

मुरम से नालियां चौक, बारिश का पानी घरों-दुकानों में घुसा

ग्राम अंबाड़ी में सड़क निर्माण में लापरवाही पड़ी भारी

रायसेन (नि.प्र.) **रायसेन जिले के सांची विकासखंड अंतर्गत ग्राम अंबाडी में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यप्रणाली और लापरवाही का खामियाजा स्थानीय ग्रामीणों व व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है.**

गांव में हाल ही में कराए गए सड़क निर्माण कार्य के दौरान जल निकासी की व्यवस्था का ध्यान न रखे जाने के कारण गुरुवार को हुई बारिश में पूरा इलाका जलमग्न हो गया. सड़क पर भरा पानी नालियों के रास्ते बहने के बजाय दुकानों और रिहाइशी मकानों में घुस गया, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अंबाडी में कुछ दिन पूर्व पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 20 से 25 फीट सड़क पर आरसीसी (रोड) का निर्माण कार्य कराया गया था. सड़क की ऊंचाई बढ़ने के बाद बुधवार को विभाग द्वारा सड़क के दोनों किनारों को समतल करने के लिए मुरम डालने का काम किया गया. ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते डाली गई मुरम सीधे सड़क किनारे बनी नालियों में समा गई, जिससे नालियां पूरी तरह चौक हो गईं.

गुरुवार को क्षेत्र में जैसे ही तेज बारिश हुई, जल निकासी का मार्ग बंद होने के कारण पानी सड़क पर जमा होने लगा. देखते ही देखते सड़क ने तालाब का रूप ले लिया. पानी का स्तर बढ़ते ही बारिश का गंदा पानी आसपास की दुकानों और लोगों के घरों में दाखिल हो गया. इससे दुकानदारों का कीमती सामान भीगकर खराब हो गया और गृहस्थी के सामान को बचाने के लिए लोगों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी.पंचायत ने जेसीबी लगाकर कराया जल निकास सड़क पर जलभराव और घरों में पानी घुसने की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत प्रशासन हरकत में आया. मौके पर पहुंचकर पंचायत प्रतिनिधियों ने स्थिति का जायजा लिया और तुरंत जेसीबी मशीन बुलवाई. जेसीबी की मदद से नालियों में फंसी मुरम और मलबे को हटाकर पानी की निकासी का काम शुरू कराया गया, तब जाकर स्थिति कुछ हद तक नियंत्रित हो सकी.

इनका कहना है

स्थायी नाला निर्माण की मांग

ठेकेदार की जल्दबाजी और पीडब्ल्यूडी की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी है. सड़क निर्माण के साथ जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था होना अनिवार्य था. नालियों में मुरम भर जाने से दुकानदारों का भारी नुकसान हुआ है. विभाग को तुरंत स्थायी नाला निर्माण कराना चाहिए.

नसीम अली, स्थानीय रहवासी.

घटना के बाद से अंबाडी के ग्रामीणों और व्यापारियों में पीडब्ल्यूडी विभाग के खिलाफ गहरा असंतोष है. ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्य के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है. उन्होंने प्रशासन और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सड़क निर्माण के साथ-साथ दोनों तरफ पक्की नालियों का निर्माण कराया जाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या का सामना न करना पड़े.

गौवंश को बचाने के प्रयास में डंपर घर में घुसा

ढाई घंटे तक केबिन में फंसा रहा चालक, हादसे में गौवंश की मौत

रायसेन (नि.प्र.) **गैरतगंज नगर मे बुधवार को टेकापार स्थित हनुमान मंदिर के सामने गिट्टी से भरा डंपर सड़क पर अचानक सामने आए गौवंश को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क किनारे स्थित एक घर में जा घुसा. हादसे में डंपर का 21 वर्षीय चालक लंकुश लोनी केबिन में बुरी तरह फस गया. करीब ढाई घंटे तक चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका.**

हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी डीपी लोहिया पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया. चालक को सुरक्षित निकालने के लिए सड़क निर्माण कंपनी की टीम को भी भारी मशीनरी के साथ बुलाया गया. हाइवा, हाइड्रा, जेसीबी और पोकलेन की सहायता से डंपर को सीधा किया गया. करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चालक लंकुश लोनी को केबिन से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. हादसे में राहत की बात यह रही कि चालक की जान बच गई. लंकुश को मामूली चोटें आई हैं और उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल गैरतगंज ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है. वहीं हादसे में सड़क पर आए गौवंश की मौत हो गई.

इस हादसे ने एक बार फिर सड़कों पर खुले में घूमने और बैठने वाले गौवंश की समस्या को सामने ला दिया है. सवाल यह है कि सड़कों पर रहने वाले गौवंश के लिए सुरक्षित व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? स्थानीय लोगों का कहना है कि गौवंश को केवल सड़क से हटाना पर्याप्त नहीं है. उनके लिए सुरक्षित आश्रय, पर्याप्त चारा-पानी और नियमित निगरानी की व्यवस्था जरूरी है. नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जानी चाहिए.

आज मनेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, मटकी फोड़ प्रतियोगिता होगी

रायसेन (नि.प्र.) **श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शुक्रवार को बेगमगंज में धूमधाम से मनाई जाएगी. मटकी फोड़ प्रतियोगिता भी होगी.**

यादव समाज के मीडिया प्रभारी कृष्णा बिट्टू यादव ने बताया कि शुक्रवार को दशहरा मैदान पर यादव महासभा के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया जाएगा. इसको लेकर व्यापक तैयारियां की गई है. शुक्रवार सुबह कन्हैया जी की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकलेगी जिसमें विशेष रूप से मथुरा से आए वृंदावन ग्रुप के कलाकारों की कन्हैया के बाल स्वरूप की आकर्षक प्रस्तुति रहेगी. भजन -कीर्तन करती मंडलीय ओर कान्हा के बाल सखा के स्वरूप भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे. मुख्य कार्यक्रम दशहरा मैदान पर बाहर से आए अतिथि एवं समाज की मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान होगा.

आज दुर्लभ संयोग में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

रायसेन (नि.प्र.) भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव शुक्रवार को मनाया जाएगा. ज्योतिषाचार्य हरिकेश शास्त्री तिनसुआ वाले बेगमगंज ने बताया ज्योतिषीय गणना और पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के दुर्लभ संयोग ने इस बार के पर्व को और भी अधिक विशेष बना दिया है.

पंचांग के जानकारों के अनुसार, लड्डू गोपाल के जन्मोत्सव की मुख्य पूजा यानी निशिता काल का समय 4 सितंबर की देर रात 11:57 बजे से 5 सितंबर की रात 12:43 बजे तक निर्धारित किया गया है.

ज्योतिष शास्त्री ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मुख्य रूप से 4 सितंबर की मध्यरात्रि को ही मनाया जाएगा.

बहनों का विश्वास मेरे लिए अक्षय पूंजी है : पटेल

रायसेन (नि.प्र.) रक्षाबंधन मिलन समारोह उदयपुरा नगर परिषद के प्रांगण में मध्य प्रदेश शासन के लोक स्वस्थ एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के मुख्य आतिथ्य और परिषद अध्यक्ष सीमा बृजेंद्र सिंह राजपूत की अध्यक्षता में संपन्न हुई कार्यक्रम में उपस्थित बहनों ने नरेंद्र शिवाजी पटेल की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर आशीर्वाद प्रदान किया. भाई द्वारा अपनी स्नेही बहनों को उसका सम्मान स्वरूप साड़ी प्रदान की. इस अवसर पर नगर परिषद की अध्यक्ष सीमा बृजेंद्र सिंह राजपूत द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए मंत्री का स्वागत किया. अपने उद्बोधन में नगर परिषद अध्यक्ष ने नगर के विकास कार्यों में मंत्री पटेल के योगदान की प्रशंसा की और मंत्री के कलाई पर राखी बांधकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया. मंत्री पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि रक्षा सूत्र मेरे लिए सिर्फ कलाई पर बंधा धागा नहीं बल्कि बहनों के सुरक्षा सशक्तिकरण और सम्मान का व्रत है.

बेगमगंज महाविद्यालय में लगा बीएसएनएल सिम मेला

विद्यार्थियों और महाविद्यालय स्टॉफ को नि:शुल्क सिम वितरित

रायसेन (नि.प्र.) **भारत सरकार द्वारा स्वदेशी अपनाओ की थीम पर सरकार की टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल को फिर से पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से प्रभावी कदम उठाना शुरू कर दिया है.**

भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा बीएसएनएल को ग्राहकों तक फिर से पहुंचाकर उनका विश्वास जितने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाकर प्रचार-प्रसार करके बीएसएनएल अपनाओं के अंतर्गत शासकीय डीडी महाविद्यालय में महाविद्यालीन स्टॉफएवं विद्यार्थियों को नि:शुल्क सिम वितरित करते हुए बीएसएनएल अपनाओ कार्यक्रम को गति प्रदान की.

पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय बेगमगंज में बीएसएनएल सिम मेला का आयोजन किया गया. इस सिम मेले में महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों को एक-एक बीएसएनएल सिम नि:शुल्क प्रदान की गई.

17 केंद्र प्रभारियों ने की गेहूं खरीदी कमीशन भुगतान की मांग

6793 किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदा 636747 .50 क्विंटल गेहूं

रायसेन (नि.प्र.) **तहसील में इस बार सबसे ज्यादा 17 गेहूं उपार्जन केंद्र बनाए गए थे, जिन पर पंजीकृत 6793 किसानों का कुल 636747.50 क्विंटल गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई है. प्राय: सभी किसानों का भुगतान होना बताया गया है और जो किसी कारणवश रह गए उनके भुगतान की प्रक्रिया प्रचलित बताई गई है.**

बेगमगंज में इस बार मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका से संबद्ध दो स्व- सहायता गीता स्व-सहायता समूह टेकापार मुंजसा गेहूं खरीदी 30422 क्विंटल एवं दुर्गा स्व-सहायता समहू भुरेरु ,33243 क्विंटल गेहूं की समर्थन मूल्य खरीदी की थी. दोनों समूह की महिला सदस्यों द्वारा जैसे -तैसे ब्याज पर पैसा लेकर जोड़तोड़ करके काम को अंजाम तो दे दिया लेकिन उन्हें अभी तक कमीशन नहीं मिलने से वो अब आर्थिक संकट में घिर गई है. एक ओर तो उन्हें ली गई धनराशि ब्याज सहित चुकाना है तो दूसरी ओर उनकी मेहनत का परिश्रम भी मिलना है. ऐसे में नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा अभी तक उन्हें कमीशन की राशि उपलब्ध नहीं कराए जाने से वो देनदारी एवं आर्थिक तंगी से परेशान है. इधर प्रा.कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित में पंदरभटा , पांडाझिर एवं भुरेरु के दो-दो केंद्रों , शाहपुर -सुल्तानपुर , बसिया , मड़खेड़ा टप्पा , सुनहरा , सुल्तानगंज , सुनवाहा , सुमेर , ढिलवार , चँदोरिया , बेगमगंज इत्यादि उपार्जन केंद्रों पर 6793 किसानों की 636747.54 क्विंटल गेंहू की खरीदी की गई है. इनमें से किसी भी केंद्र को नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा अब तक कमीशन नही दिया गया है. जिसके कारण सभी केंद्र प्रभारी एवं केंद्र से जुड़े अन्य अधिकांश दैनिक मजदूरों का भुगतान रुका हुआ है. बार -बार मांग पत्र भेजे जाने के बाद राशि उपलब्ध होते ही भुगतान किए जाने का रटारटाया उत्तर दिया जा रहा है. दोनों महिला स्व-सहायता समूह अध्यक्षद्वय अहिल्याबाई एवं बबीता बाई सहित सभी केंद्र प्रभारियों ने भुगतान किए जाने की मांग की है.

विकास के बीच कारोबार पर संकट

भोपाल-विदिशा 4-लेन प्रोजेक्ट : सलामतपुर में बायपास के निर्माण से कस्बा कटने की आशंका, व्यापारियों में बढ़ी चिंता

रायसेन (नि.प्र.) भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 को फोरलेन में तब्दील करने की मंजूरी मिलते ही जहां क्षेत्रवासियों में बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम आवागमन को लेकर खुशी की लहर दौड़ गई है, वहीं सलामतपुर के स्थानीय व्यापारियों के चेहरे पर चिंता की लकीरें हैं. 44.83 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन मार्ग में तीन प्रमुख स्थानों पर बायपास का निर्माण किया जाना है, जिसमें सबसे लंबा 5.10 किलोमीटर का बायपास सलामतपुर कस्बे से ठीक पहले निकाला जाएगा. बायपास का निर्माण होते ही भोपाल और विदिशा की ओर से आने-जाने वाले तमाम छोटे-बड़े वाहन कस्बे के बाहर से ही गुजर जाएंगे. इससे कस्बे के भीतर होने वाली व्यावसायिक गतिविधियों के सीधे प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है.

मृतक के परिजन को 5000 की राशि प्रदान

रायसेन (नि.प्र.) विगत दिनों उदयपुरा निवासी जुगल किशोर रघुवंशी की मृत्यु हुई थी. इसके उपरांत नगर परिषद उदयपुरा ने 5000 की राशि रामू रघुवंशी एवं प्रदीप कहार ने उनके परिजन के घर जाकर राशि प्रदान की.

साईखेड़ा में पौधे रोपे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

रायसेन (नि.प्र.) **सितंबर.** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान एवं मध्य प्रदेश सरकार के संकल्प के तहत सिलवानी तहसील के ग्राम साईखेड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया. इस अवसर पर पूर्व मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है. कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने केवल पौधे लगाने तक ही स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि उनकी नियमित सिंचाई, देखभाल एवं सुरक्षा का भी संकल्प लिया, ताकि लगाए गए पौधे वृक्ष बन सकें.

नपाध्यक्ष को समस्या का आवेदन देते शहरवासी।

भाजपा कार्यालय में नपाध्यक्ष ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं तुरंत निराकरण के निर्देश

नगर पालिका अधिकारियों व कर्मचारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने का फरमान

रायसेन (नि.प्र.)

भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी सेल में गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष रेनू सुजीत गर्ग ने जनसुनवाई का आयोजन कर आम नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं।

नागरिकों की मूलभूत समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए नपाध्यक्ष ने मौके पर मौजूद नगर पालिका अधिकारी नरेन्द्र जाटव सहित निकाय के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को सभी आवेदनों का समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के हल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, जिला महामंत्री संजय अकोदिया, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग, नगर मंडल अध्यक्ष संजय मंगल सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

नवभारत की खबर का असर 30 अगस्त को नवभारत ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर

दीवानगंज में अस्पताल का 50 साल पुराना जर्जर भवन जमींदोज

रायसेन (नि.प्र.) **दैनिक समाचार पत्र की जन सरोकार से जुड़ी पत्रकारिता का एक बार फिर बड़ा असर देखने को मिला है. दीवानगंज स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप बने लगभग 50 वर्ष पुराने जर्जर हो चुके उप स्वास्थ्य केंद्र भवन को प्रशासन ने बुधवार को जमींदोज कर दिया.**

लंबे समय से जर्जर अवस्था में खड़ा यह ढांचा अस्पताल आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और स्थानीय निवासियों के लिए हर पल एक बड़े खतरे का सबब बना हुआ था. नवभारत द्वारा इस मुद्दे को गंभीरता से उठाए जाने के तुरंत बाद हरकत में आए प्रशासन ने यह निवारक कार्रवाई की है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस अत्यंत जर्जर हो चुके भवन को गिराने के लिए लगभग 7 वर्ष पूर्व ही तत्कालीन कलेक्टर द्वारा स्पष्ट आदेश जारी कर दिए गए थे. इसके बावजूद प्रशासनिक लापरवाही और उदासीनता के कारण भवन को नहीं हटाया जा सका. बीतते समय के साथ भवन की स्थिति और अधिक चिंताजनक होती चली गई. दीवारों में जगह-जगह गहरी दरारें पड़ चुकी थीं और छत का हिस्सा कभी भी गिर सकता था. स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रोजाना आने वाले सैकड़ों मरीजों की जान लगातार जोखिम में बनी हुई थी.

नवभारत ने बीते 30 अगस्त के अंक में '50 साल पुराने जर्जर भवन से हो सकता है हादसा' शीर्षक के साथ विस्तृत खबर प्रकाशित की. खबर के माध्यम से प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट कराया गया. समाचार प्रकाशित होते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया और उच्च अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए.

बुधवार को प्रशासन की टीम ने दल बल के साथ पोकलेन व जेसीबी की मदद से जर्जर भवन को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया. यह कार्रवाई सांची की नायब तहसीलदार तथा दीवानगंज चौकी प्रभारी सुनील शर्मा की प्रत्यक्ष निगरानी में हुई. कार्रवाई के दौरान दीवानगंज सरपंच गिरजेश नायक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे.

अस्पताल परिसर से इस जर्जर भवन के हट जाने के बाद रहवासियों ने कहा कि यह जर्जर ढांचा सालों से किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा था. क्षेत्रवासियों ने इस जनहित के मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर समस्या का त्वरित समाधान कराने के लिए दैनिक नवभारत समाचार पत्र का आभार व्यक्त किया है.

तनाव हो या असफलता, रिश्तों की उलझन हो या करियर की चुनौती–श्रीकृष्ण की सीख आज भी जीवन को बेहतर ढंग से जीने की प्रेरणा देती है

श्रीकृष्ण के 8 प्रबंधन मंत्र, हर मुश्किल में दिखाएंगे रास्ता

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसमें जीवन को समझने और कठिन परिस्थितियों से निकलने की गहरी सीख भी मिलती है। महाभारत के युद्धक्षेत्र में अर्जुन जब अपने कर्तव्य और भविष्य को लेकर भ्रमित थे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें कर्म, धैर्य, आत्मविश्वास और सही निर्णय का मार्ग दिखाया। उनकी शिक्षाएं आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। नौकरी का दबाव हो, व्यापार में उतार-चढ़ाव, रिश्तों में तनाव या जीवन में असफलता–श्रीकृष्ण की सीख हमें परिस्थितियों से भागने के बजाय उन्हें समझकर आगे बढ़ना सिखाती है। आइए जानते हैं ऐसे 8 जीवन प्रबंधन मंत्र, जिन्हें अपनाकर जीवन को अधिक संतुलित और सार्थक बनाया जा सकता है।

1. कर्म पर ध्यान दें, परिणाम की चिंता न करें

श्रीकृष्ण की सबसे प्रसिद्ध सीख है कि मनुष्य को अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, परिणाम पर नहीं। इसका अर्थ यह नहीं कि लक्ष्य बनाना या परिणाम के बारे में सोचना गलत है। इसका वास्तविक संदेश यह है कि परिणाम हमारे पूरी तरह नियंत्रण में नहीं होता, लेकिन मेहनत, तैयारी और प्रयास हमारे हाथ में होते हैं। जब व्यक्ति परिणाम की चिंता में उलझ जाता है तो उसका ध्यान काम से हटने लगता है और तनाव बढ़ जाता है। इसलिए किसी भी काम को पूरी ईमानदारी, लगन और सही तरीके से करना चाहिए। सफलता मिले तो विनम्र रहें और असफलता मिले तो उससे सीख लेकर आगे बढ़ें।

2. मुश्किल समय में धैर्य बनाए रखें

जीवन में हर समय परिस्थितियां हमारे अनुकूल नहीं रहतीं। कभी सफलता मिलती है तो कभी असफलता का सामना करना पड़ता है। श्रीकृष्ण की शिक्षाएं बताती हैं कि कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय धैर्य और विवेक से काम लेना चाहिए। परेशानी के समय जल्दबाजी में लिया गया निर्णय समस्या को और बढ़ा सकता है। इसलिए मुश्किल समय में पहले स्थिति को समझें, फिर विकल्पों पर विचार करें और उसके बाद निर्णय लें। याद रखें कि कोई भी परिस्थिति हमेशा एक जैसी नहीं रहती। बुरा समय भी बदलता है। धैर्य रखने वाला व्यक्ति कठिन दौर में भी अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास को बनाए रख सकता है।

3. अपने मन को नियंत्रित करना सीखें

मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका मन है और सबसे बड़ी चुनौती भी यही मन बन सकता है। चिंता, डर, क्रोध, ईर्ष्या और नकारात्मक विचार व्यक्ति की सोच और निर्णय क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। श्रीकृष्ण ने मन को नियंत्रित करने और उसे सही दिशा में लगाने पर जोर दिया। आज के समय में यह सीख और भी महत्वपूर्ण है। लगातार मोबाइल, सामाजिक माध्यमों और दूसरों से तुलना करने की आदत मन को अस्थिर कर सकती है। इसलिए नियमित रूप से स्वयं के साथ समय बिताएं, सकारात्मक सोच रखें और अनावश्यक विचारों से दूरी बनाएं। मन शांत होगा तो निर्णय अधिक स्पष्ट और संतुलित होंगे।

4. अहंकार से दूर रहें

अहंकार व्यक्ति की उपलब्धियों को कमजोर कर सकता है। जब इंसान अपनी सफलता, ज्ञान, धन या पद पर जरूरत से ज्यादा गर्व करने लगता है, तब वह दूसरों की सलाह और भावनाओं को नजरअंदाज करने लगता है। श्रीकृष्ण की शिक्षाओं में विनम्रता को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सफलता मिलने पर यह समझना जरूरी है कि उपलब्धि केवल हमारी मेहनत का परिणाम नहीं होती, बल्कि परिवार, सहयोगियों और परिस्थितियों का भी योगदान होता है। विनम्र व्यक्ति दूसरों से सीखने को तैयार रहता है। इसलिए सफलता को सिर पर चढ़ाने के बजाय उसे अपनी जिम्मेदारी बढ़ाने का माध्यम बनाएं।

5. सही समय पर सही निर्णय लें

जीवन में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जब एक निर्णय आगे की दिशा बदल सकता है। ऐसे समय में भावनाओं के बजाय विवेक से काम लेना जरूरी है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भी भ्रम और भावनात्मक कमजोरी से बाहर निकालकर कर्तव्य का बोध कराया था। आज के जीवन में भी किसी बड़े निर्णय से पहले उसके फायदे और नुकसान को समझना चाहिए। दूसरों के दबाव में आकर फैसला लेने के बजाय अपनी परिस्थितियों और लक्ष्य को ध्यान में रखें। निर्णय लेने में देर करना भी कई बार नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए पर्याप्त जानकारी जुटाएं, शांत मन से सोचें और सही समय पर दृढ़ निर्णय लें।

6. तुलना के बजाय अपने कर्तव्य पर ध्यान दें

दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना आज की बड़ी समस्याओं में से एक है। व्यक्ति अक्सर अपने जीवन की तुलना दूसरों की उपलब्धियों से करने लगता है। इससे असंतोष और तनाव बढ़ता है। श्रीकृष्ण की सीख हमें अपने कर्तव्य और क्षमता पर ध्यान देने की प्रेरणा देती है। हर व्यक्ति की परिस्थितियां, प्रतिभा और जीवन की गति अलग होती है। इसलिए किसी दूसरे की यात्रा को अपनी सफलता का पैमाना नहीं बनाना चाहिए। अपने लक्ष्य तय करें और अपनी क्षमता के अनुसार लगातार आगे बढ़ते रहें। दूसरों से प्रेरणा लें, लेकिन अपनी पहचान और आत्मविश्वास को तुलना के आधार पर तय न करें।

7. क्रोध पर नियंत्रण रखें

क्रोध कुछ क्षणों का होता है, लेकिन उसके कारण लिया गया गलत निर्णय लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है। श्रीकृष्ण की शिक्षाओं में क्रोध को व्यक्ति की बुद्धि और विवेक को प्रभावित करने वाला माना गया है। आज के समय में छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा रिश्तों और कार्यस्थल दोनों को प्रभावित कर सकता है। जब गुस्सा आए तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ समय शांत रहें। सामने वाले की बात समझने की कोशिश करें और फिर जवाब दें। हर बात का उत्तर उसी क्षण देना जरूरी नहीं होता। स्वयं पर नियंत्रण रखना कमजोरी नहीं, बल्कि मजबूत व्यक्तित्व की पहचान है।

8. परिवर्तन को स्वीकार करना सीखें

जीवन हमेशा एक जैसा नहीं रहता। परिस्थितियां, रिश्ते, काम और जिम्मेदारियां समय के साथ बदलती रहती हैं। श्रीकृष्ण की शिक्षाओं का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि परिवर्तन जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। जो व्यक्ति बदलाव को स्वीकार कर लेता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी खुद को ढाल सकता है। नौकरी में बदलाव हो, करियर की दिशा बदलनी पड़े या जीवन में कोई अप्रत्याशित परिस्थिति आए– घबराने के बजाय नए रास्ते तलाशने चाहिए। पुराने अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ना ही समझदारी है। बदलाव को केवल समस्या मानने के बजाय उसे सीखने, खुद को बेहतर बनाने और नई संभावनाएं तलाशने के अवसर के रूप में देखें।

श्रीकृष्ण की मन जीत लेने वाली 11 बातें, जीवन में अपनाएंगे तो बदल जाएगा नजरिया

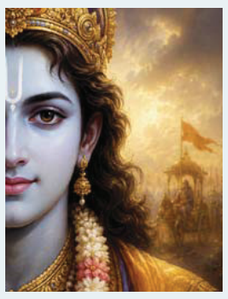

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की भी प्रेरणा देता है। उनके विचारों में प्रेम के साथ व्यवहारिक बुद्धिमत्ता, कठिन परिस्थितियों में धैर्य और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की सीख मिलती है। श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में यह संदेश दिया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, व्यक्ति को विवेक और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आइए जानते हैं श्रीकृष्ण की ऐसी 11 बातें, जो दिल को छूने के साथ जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देती हैं। भगवान श्रीकृष्ण की इन बातों को आत्मसात करें-

1. **प्रेम में स्वार्थ नहीं होना चाहिए-** श्रीकृष्ण का जीवन सिखाता है कि सच्चा प्रेम किसी लाभ की उम्मीद नहीं करता। प्रेम में सम्मान, विश्वास और अपनापन सबसे जरूरी हैं।
2. **कर्म करते रहिए-** व्यक्ति को अपने कर्तव्य पर ध्यान देना चाहिए। परिणाम की चिंता में वर्तमान के प्रयास को कमजोर नहीं करना चाहिए।
3. **सच्चे मित्र की कद्र करें-** श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता सिखाती है कि सच्चे रिश्ते धन-दौलत नहीं, भावनाओं से मजबूत होते हैं।
4. **हर परिस्थिति में मुस्कुराएं-** जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। मुस्कुराकर उनका सामना करने से मन मजबूत बना रहता है।
5. **अन्याय का विरोध करें-** जहां अन्याय हो, वहां चुप रहना उचित नहीं। सत्य और न्याय के लिए आवाज उठाना भी हमारा कर्तव्य है।
6. **रिश्तों में सम्मान रखें-** रिश्ते तभी मजबूत होते हैं जब उनमें एक-दूसरे के विचारों और भावनाओं का सम्मान किया जाए।
7. **खुद पर विश्वास रखें-** आत्मविश्वास व्यक्ति को कठिन रास्तों पर भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है। खुद की क्षमता पर भरोसा करना जरूरी है।
8. **ज्ञान को जीवन में उतारें-** केवल ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। उसकी सीख को व्यवहार में लाना ही वास्तविक समझ है।
9. **दूसरों की मदद करें-** जरूरतमंद की सहायता करना मानवता की पहचान है। छोटी-सी मदद भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।
10. **मन को शांत रखें-** क्रोध और चिंता में लिया गया निर्णय अक्सर गलत हो सकता है। शांत मन से सोचने पर समस्याओं का बेहतर समाधान मिलता है।
11. **सत्य और धर्म का साथ दें-** जीवन में परिस्थितियां चाहे जैसी हों, सत्य और सही मार्ग का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। यही व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है।

वित्त से तकनीक की जुगलबंदी से मिलेंगे मौके

वित्त से तकनीक की जुगलबंदी रोजगार अवसरों को लगातार बढ़ा रही है। इसे फिनटेक क्षेत्र भी कहा जा रहा है। मोबाइल से पैसे भेजना, ऑनलाइन लोन लेना और घर बैठे निवेश करना इसी का हिस्सा है। आरटीजीएस, आईएमपीएस और यूपीआई ने इसे तेजी दी है। फिनटेक में फाइनेंस के साथ एआई, डाटा, टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे कौशल की मांग बढ़ रही है।

भारत में फिनटेक तेजी से विस्तार कर रहा है और इसके साथ करियर के नए अवसर भी बढ़ रहे हैं। इस क्षेत्र में करीब 2.2 लाख लोग काम कर रहे हैं। रोजगार हर साल करीब 15 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। ऐसे में कंपनियों को फाइनेंस के साथ एआई, डाटा, टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी की समझ रखने वाले पेशेवरों की भी जरूरत बढ़ रही है।

फिनटेक का बड़ा बाजार

इस विस्तार के पीछे करीब दो दशक में हुआ डिजिटल बदलाव है, जिसके परिणामस्वरूप भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फिनटेक बाजार कहा जा रहा है। 2009 में आधार, 2010 में आईएमपीएस, 2013 में डिजिटल वॉलेट, 2014 में जनधन योजना और 2016 में यूपीआई ने इसकी नींव मजबूत की। इसके बाद डिजिटल लोन, ऑनलाइन निवेश, इंश्योरटेक, अकाउंट एग्रीगेटर और एआई आधारित सेवाओं ने फिनटेक का दायरा बढ़ाया। इसी के साथ करियर के नए रास्ते सामने आए।

हाइब्रिड कौशल की मांग

- फिनटेक के विस्तार के साथ ऐसे पेशेवरों की जरूरत बढ़ रही है, जो फाइनेंस और टेक्नोलॉजी दोनों की समझ रखते हों। ऐसे हाइब्रिड स्किल वाले लोगों की उपलब्धता अभी मांग के मुकाबले कम है।

- करियर काउंसलर आलोक बंसल के अनुसार आने वाले समय में प्रोडक्ट मैनेजर, डाटा एनालिस्ट, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ, क्लाउड और एपीआई विशेषज्ञ, रेगुलेटरी-कम्प्लायंस विशेषज्ञ, फ्रॉड प्रिवेंशन विशेषज्ञ, बिजनेस एनालिस्ट, कस्टमर एक्सपीरियंस/ ग्रोथ मैनेजर और यूएक्स डिजाइनर जैसे पदों की मांग फिनटेक में बढ़ सकती है।
- फिनटेक सिर्फ फाइनेंस के छात्रों तक सीमित नहीं है। टेक्नोलॉजी, फाइनेंस और प्रोडक्ट-तीनों रास्तों से इसमें प्रवेश किया जा सकता है।
- कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, बीबीए, अर्थशास्त्र और स्टैटिस्टिक्स जैसी पृष्ठभूमि वाले युवा भी इसमें करियर बना सकते हैं। 12वीं के बाद कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स, फाइनेंस या स्टैटिस्टिक्स जैसे विषय चुने जा सकते हैं।
- आगे फिनटेक, डाटा एनालिटिक्स, एआई साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल बैंकिंग और फाइनेंशियल रेगुलेशंस में विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है।
- टेक्नोलॉजी की पढ़ाई करने वाले युवा प्रोग्रामिंग और डाटा, जबकि फाइनेंस बैकग्राउंड वाले क्रेडिट, रिस्क और निवेश जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दे सकते हैं।
- कोडिंग, डाटा और फाइनेंस की बुनियादी समझ के साथ इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट से व्यावहारिक अनुभव लेना भी फायदेमंद रहेगा। मास्टर्स या एमबीए में फाइनेंस, फिनटेक, डाटा साइंस पर ध्यान दें।
- एआई से व्यक्तिगत वित्तीय सेवाएं- ग्राहक की जरूरत के अनुसार लोन, निवेश और बीमा की पेशकश होगी। एआई, डाटा एनालिटिक्स और वित्तीय सेवाओं की समझ जरूरी होगी।

सीएफए या एमबीए?

फिनटेक में सीएफए यानी चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट और एमबीए की उपयोगिता भूमिका के अनुसार बदलती है। सीएफए निवेश, वेल्थटेक, पोर्टफोलियो एनालिटिक्स और रिस्क जैसे क्षेत्रों में वित्तीय विश्लेषण की समझ मजबूत करता है।

वहीं, एमबीए प्रोडक्ट मैनेजमेंट, रणनीति और नेतृत्व से जुड़ी भूमिकाओं में अधिक उपयोगी हो सकता है।

सबसे ज्यादा मांग वाले 5 पद

- **प्रोडक्ट मैनेजर:** पेमेंट, ऋण और निवेश संबंधी उत्पाद तैयार करना व मैनेज करना।
- **रिस्क और क्रेडिट एनालिस्ट:** ग्राहक की क्रेडिट क्षमता और लोन जोखिम का आकलन करना।
- **पेमेंट्स इंजीनियर:** पेमेंट सिस्टम, एपीआई और ट्रांजेक्शन इंफ्रास्ट्रक्चर संभालना।
- कम्प्लायंस और रेगुलेटरी विशेषज्ञ: आरबीआई और अन्य वित्तीय नियमों का पालन सुनिश्चित करना।
- डाटा साइंटिस्ट/एमएल इंजीनियर: क्रेडिट स्कोरिंग, फ्रॉड डिटेक्शन और वित्तीय मॉडल तैयार करना।
- **ग्रीन फिनटेक :** पर्यावरण से जुड़े निवेश, कार्बन निगरानी व जलवायु जोखिम पर आधारित वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। इसके लिए सस्टेनेबिलिटी एनालिटिक्स, ईएसजी फ्रेमवर्क और जलवायु जोखिम के आकलन की समझ उपयोगी होगी।

अगले 5 साल में बदलेगी फिनटेक की तस्वीर

डिजिटल पेमेंट से आगे बढ़ता फिनटेक एआई, ब्लॉकचेन, एम्बेडेड फाइनेंस और डीफाई जैसी तकनीकों के साथ तेजी से बदल रहा है।

वेतन- भूमिका और अनुभव के अनुसार फिनटेक में शुरुआती पैकेज करीब 8-25 लाख रुपए सालाना हो सकता है। अनुभव के साथ कई भूमिकाओं में यह 30-50 लाख या उससे अधिक तक पहुंच सकता है।

कहां से करें अपस्किलिंग

फिनटेक और डिजिटल फाइनेंस की पढ़ाई के लिए आईआईएम/आईआईटी के फिनटेक सर्टिफिकेट कोर्स, एनआईएसएम और आईआईबीएफ के बैंकिंग-फाइनेंस कोर्स तथा आईआईटी-बॉम्बे और आईएसबी के विशेष प्रोग्राम किए जा सकते हैं। वहीं कोर्सेरा, अपग्रेड और ग्रेट लर्निंग जैसे ऑनलाइन मंच भी फिनटेक से जुड़े प्रोग्राम उपलब्ध कराते हैं। केवल प्रमाणपत्र नहीं, केस स्टडी और डिजिटल पेमेंट सिस्टम, एपीआई, बैंकिंग एप्लीकेशन और वित्तीय डाटा के साथ काम करने का व्यावहारिक अनुभव लेना भी जरूरी है। क्रिप्टो से आगे ब्लॉकचेन-अंतरराष्ट्रीय भुगतान, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट व डिजिटल पहचान में ब्लॉकचेन का इस्तेमाल बढ़ेगा। इस क्षेत्र में सॉलिडिटी जैसी प्रोग्रामिंग भाषा, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एवं सुरक्षा की समझ जरूरी होगी।

फिनटेक में करियर किसके लिए?

करियर काउंसलर आलोक बंसल के अनुसार इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले युवाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि वे वित्त और तकनीक दोनों की समझ विकसित करें। आप आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स किसी भी बैकग्राउंड से हों, डिग्री के अलावा व्यावहारिक ज्ञान और टेक्नो फ्रेंडली होना भी जरूरी होगा। यानी डिजिटल फाइनेंस के क्षेत्र में आने के लिए फाइनेंस के साथ-साथ तकनीक की भी जानकारी होनी चाहिए।

कॉमर्स पढ़कर भी आईटी क्षेत्र में बनाएं शानदार करियर

बिना कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के भी फ्रंटएंड डेवलपर बनने का रास्ता, जानें जरूरी पढ़ाई और कौशल

सुमित शर्मा का सवाल- मैंने कॉमर्स से 12वीं की है। बिना कंप्यूटर साइंस या कोडिंग की पृष्ठभूमि के आईटी क्षेत्र में सफल फ्रंट एंड डेवलपर कैसे बन सकता हूं? कौन-सी प्रोग्रामिंग भाषाएं और उपकरण सीखने चाहिए?

विशेषज्ञ की सलाह- कॉमर्स के छात्र भी आईटी क्षेत्र, खासकर फ्रंट एंड डेवलपमेंट में करियर बना सकते हैं। इसके लिए उपयुक्त स्नातक पाठ्यक्रम चुनना पहला कदम है। कॉमर्स के छात्रों के लिए बीसीए एक अच्छा विकल्प है, खासकर उन छात्रों के लिए जिन्होंने 12वीं में गणित, अनुप्रयुक्त गणित या कंप्यूटर विज्ञान विषय पढ़ा है। कई विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान या आईटी में स्नातक पाठ्यक्रम में भी प्रवेश देते हैं। कुछ विश्वविद्यालय बिना इन विषयों के भी कॉमर्स छात्रों को प्रवेश देते हैं।

सीखने की शुरुआत एचटीएमएल और सीएसएस से की जा सकती है। इसके बाद जावास्क्रिप्ट सीखें, जो आधुनिक और उपयोगी वेबसाइट बनाने की नींव है। आगे रिएक्ट, गिट और गिटहब जैसे उपकरणों पर पकड़ बनाकर उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल निखारे जा सकते हैं। व्यावहारिक परियोजनाएं बनाने पर ध्यान देना चाहिए। व्यक्ति गत वेबसाइट, गणना यंत्र या कार्य-सूची एप से शुरुआत कर धीरे-धीरे जटिल वेब अनुप्रयोग तैयार किए जा सकते हैं। साथ ही, अनुकूलनशील डिजाइन, एपीआई, त्रुटि सुधार और उपयोगकर्ता अनुभव की समझ प्रोफाइल को मजबूत बनाएगी। कॉमर्स की पढ़ाई फिनटेक, ई-कॉमर्स और कारोबारी तकनीक जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त लाभ दे सकती है।

शिवम सिंह का सवाल- रेलवे में लोको पायलट बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है? मार्गदर्शन करें।

विशेषज्ञ की सलाह- भारतीय रेलवे में लोको पायलट तकनीकी कौशल से जुड़ा करियर है। इसकी शुरुआत आमतौर पर सहायक लोको पायलट के पद से होती है, जिसकी भर्ती रेलवे भर्ती बोर्ड के माध्यम से होती है। इसके लिए सामान्यतः 10वीं पास के साथ आईटीआई प्रमाणपत्र या यांत्रिकी, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स अथवा वाहन इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा जरूरी होता है। आयु सीमा आमतौर पर 18 से 33 वर्ष रहती है। चयन प्रक्रिया में कई चरण होते हैं। पहले चरण में गणित, तर्कशक्ति और सामान्य विज्ञान से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। दूसरे चरण में तकनीकी विषयों और संबंधित ट्रेड के ज्ञान की गहन जांच होती है।

नीरज चोपड़ा की जगह लेंगे यशवीर

तेजस और अभिषेक को 77 खिलाड़ियों की टीम में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली।

राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह को एशियाई खेलों के लिए भारत की एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया है। वह चोटिल जैवलिन स्टार नीरज चोपड़ा की जगह लेंगे।वहीं, नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) से नोटिस मिलने के बाद लंबी दूरी के धावक अभिषेक पाल को टीम से बाहर कर दिया गया है।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने गुरुवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए 77 सदस्यीय ट्रैक और फील्ड टीम की घोषणा की।

ये खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होंगे।टीम की घोषणा लुधियाना में संवाददता सम्मेलन में की गई। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर होने के कारण पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ (हर्डल्स) के एथलीट तेजस शिर्से को भी टीम से बाहर कर दिया गया है।इस अवसर पर एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा, हमने नीरज चोपड़ा की जगह यशवीर को शामिल किया है, जो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता हैं और नीरज अभी चोटिल हैं।

यह चोट के कारण किया गया बदलाव था, इसलिए यशवीर के आने में कोई समस्या नहीं थी।लंबी दूरी के धावक अभिषेक पाल को उन समस्याओं के कारण बाहर किया गया है जिनका वे सामना कर रहे हैं। तो, एशियाई खेलों के लिए यह अंतिम टीम है। पिछले महीने नाडा ने पाल को नोटिस भेजा था क्योंकि उनके सैंपल में महिलाओं की फर्टिलिटी से जुड़ी दवा पाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि यह पदार्थ तय सीमा (थ्रेशोल्ड लेवल) से कम मात्रा में पाया गया था।एएफआई के पूर्व सचिव और मौजूदा प्लानिंग कमीशन प्रमुख ललित भनोट ने कहा, यह (अभिषेक के) डोप टेस्ट में पॉजिटिव आने का मामला नहीं है। पदार्थ की मौजूदगी तय सीमा से कम है।

किदांबी श्रीकांत ने वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को चौंकाया

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल मेंशेन

झेन (चीन)। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 किदांबी श्रीकांत और पुरुषों की डबल्स की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को चीन मास्टर्स सुपर 750 में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 और हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाले विक्टर लाई को 21-18, 21-18 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।अपनी पहली भिड़ंत में शानदार रणनीति दिखाते हुए, श्रीकांत ने पहले गेम में 11-15 से पिछड़ने के बाद वापसी की और दूसरे गेम में 18-19 से पिछड़ने के बाद लगातार तीन पॉइंट जीतकर जीत पक्की की।इस जीत के साथ श्रीकांत ने 2021 के बाद पहली बार सुपर 750 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है, जहां उनका सामना हांगकांग के ली चियुक यियू से होगा।पुरुष डबल्स में, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी सात्विक-चिराग ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव को 21-17, 22-24, 21-9 से हराया। फ्रांसीसी जोड़ी के रोमांचक दूसरा गेम जीतने के बाद, स्मैश ब्रदर्स ने निर्णायक गेम में अपना दबदबा बनाया, 6-1 की बढ़त ली।

राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एमपी के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

भोपाल।

पंजाब के लुधियाना स्थित गुरु नानक स्टेडियम में 1 से 3 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। इनमें कृष्ण चंद्र ने जैवलिन थ्रो में नया मीट रिकॉर्ड कायम कर स्वर्ण पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की।

प्रतियोगिता के बुधवार शाम आयोजित मुकाबलों में बॉयज जैवलिन थ्रो स्पर्धा में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी कृष्ण चंद्र ने 79.92 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता का नया मीट रिकॉर्ड भी कायम किया।

कृष्ण चंद्र के शानदार प्रदर्शन से पहले इस स्पर्धा का मीट रिकॉर्ड 77.41 मीटर था, जो रोहित यादव ने वर्ष 2018 में बनाया था। कृष्ण चंद्र ने 79.92 मीटर का प्रदर्शन कर पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

हेप्टाथलॉन में नागर सिंह कनेश ने जीता स्वर्ण

हेप्टाथलॉन स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी नागर सिंह कनेश ने 4812 अंकों के शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नागर सिंह ने स्पर्धा के विभिन्न इवेंट्स में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और मध्यप्रदेश को स्वर्णिम सफलता दिलाई। वहीं 1000 मीटर स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी रंगलाल डोडिया ने 2 मिनट 26.83 सेकंड के शानदार समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। रंगलाल ने अपनी गति और दमदार प्रदर्शन के साथ स्पर्धा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभा ने छोड़ी छाप

21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। विशेष रूप से जैवलिन थ्रो में नया मीट रिकॉर्ड कायम करना प्रदेश की उभरती एथलेटिक्स प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों द्वारा हासिल की जा रही यह सफलता मध्यप्रदेश में विकसित हो रही खेल संस्कृति और अकादमियों में खिलाड़ियों को मिल रहे उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का परिणाम है।

खेल मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीतने वाले नागर सिंह कनेश, कृष्ण चंद्र एवं रंगलाल डोडिया को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और कृष्ण चंद्र द्वारा नया मीट रिकॉर्ड कायम किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ल्ड कप में उपलब्धता को लेकर संदेह के बीच बीसीसीआई ने किया रोहित शर्मा का समर्थन

बोला- वो शानदार खेल रहे, सचिव ने कहा- पिछले मैच में शतक लगाया, आप और क्या चाहते हैं

मुंबई।

रोहित शर्मा की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि पूर्व कप्तान की जगह पर तुरंत कोई खतरा नहीं है, जबकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।गुरुवार को बीसीसीआई हेडक्वार्टर में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, आपने देखा होगा कि वह शानदार खेल रहे हैं। इस बैठक में भारत के दोनों कप्तान - शुभमन गिल (टेस्ट और वनडे) और श्रेयस अय्यर (टी 20) - शामिल हुए। हेड कोच गौतम गंभीर और सीओई प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे।चयनकर्ताओं के चेयरमैन अजीत अगरकर बैठक में नहीं थे।वह मुंबई से बाहर थे और शायद ऐसी जगह पर थे जहाँ इंटरनेट नहीं था। देवजीत सैकिया ने गुरुवार को बोर्ड की परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग के बाद रोहित का समर्थन किया। उन्होंने पूर्व कप्तान के हालिया फॉर्म का हवाला देते हुए कहा कि उनके भविष्य को लेकर कोई अटकलें नहीं लगाई जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वह सभी मैचों में बेहतरीन खेल रहे हैं।आपको और क्या चाहिए? पिछले मैच में उन्होंने 130-140 रन बनाए।तो फिर अटकलें क्यों? मैं अटकलें लगाने वालों को कोई मौका नहीं देना चाहता। पिछले साल भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद रोहित को वनडे कप्तानी से हटाए जाने के बाद से ही उनके भविष्य पर बहस चल रही है।उनकी उम्र के कारण 2027 वर्ल्ड कप में उनकी भागीदारी पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में शतक लगाकर उन्होंने इन अटकलों का जवाब दिया। 39 वर्षीय रोहित भारत के सबसे अनुभवी वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 11,895 रन बनाए हैं और 34 शतक जड़े हैं। उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर (264 रन) का रिकॉर्ड भी है और उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप में पांच शतक लगाए थे।इस बीच, सैकिया ने स्पष्ट किया कि गुरुवार की बैठक कोई सिलेक्शन मीटिंग नहीं थी और टीम के गठन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया।

रोडमैप किया तैयार

आज हमारी मीटिंग हेड कोच, हेड ऑफ़ क्रिकेट, सीओई और दो कप्तानों - हमारे टी 20 कप्तान और टेस्ट व वनडे कप्तान शुभमन - के साथ हुई। उन्होंने कहा, हमने मुख्य रूप से इस बात पर चर्चा की कि हमारी टीम ने इंग्लैंड और आयरलैंड में कैसा प्रदर्शन किया और अगले एक साल में हम क्या करने वाले हैं। इसलिए, एक रोडमैप तैयार किया गया है और हम कुछ ऐसी गतिविधियां करेंगे जिससे 2027 में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा हो। खिलाड़ियों के वर्कलोड और चोट के प्रबंधन पर भी चर्चा हुई, जिसमें बीसीसीआई व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के दौरान बेहतर तैयारी और रिकवरी सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार कर रहा है।

श्रीलंका की इंडोनेशिया पर एकतरफा जीत

अटापट्टू ने हैट्रिक सहित 7 विकेट लेकर रचा इतिहास

एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली।

दुबई में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बुधवार को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इतिहास रच दिया। उन्होंने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप बी के मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट लिए।

अटापट्टू एशिया कप के किसी भी मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसमें विमेंस और मेंस, दोनों कैटेगरी के मुकाबले शामिल हैं। चमारी अटापट्टू ने 3.3 ओवर की गेंदबाजी में इंडोनेशिया की बल्लेबाजी को ढेर कर दिया। उन्होंने 19वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर हैट्रिक भी बनाई। उनकी गेंदबाजी के चलते इंडोनेशिया की पूरी टीम 18.3 ओवर में 49 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला 75 रन से जीत लिया।इससे पहले एशिया कप मैच में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के नाम था। उन्होंने विमेंस एशिया कप 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अब चमारी अटापट्टू के नाम एशिया कप के एक मैच में 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड भी तोड़ा - अटापट्टू का यह प्रदर्शन सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रहा। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई गेंदबाज (मेंस या विमेंस) का बेस्ट बॉलिंग फिगर भी है। अटापट्टू ने अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा। मेंडिस ने सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अटापट्टू टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के किसी मैच में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज भी हैं।

चीनी के साथ चावल और दालों के भावों में भी गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चीनी की कीमतों में लगातार सातवें दिन गिरावट रही। चीनी के साथ चावल और दालों के भाव भी टूट गये।गेहूं में तेजी देखी गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 26 रुपये घटकर 5,736 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी नौ रुपये सस्ता होकर 5,991 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया।खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 34 पैसे घटकर 62.23 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 12 रुपये घटकर 4,135 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी।गेहूं तीन रुपये बढ़कर 2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।आटे का भाव भी छह रुपये चढ़ गया।दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 26 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

उड़द दाल 20 रुपये और मूंग दाल नौ रुपये सस्ती हुई।चना दाल की कीमत तीन रुपये गिर गयी।तुअर दाल में कमोबेश टिकाव रहा।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 12 रिंगिट गिरकर 4,892 रिंगिट प्रति टन रह गया।

एसरी इंडिया ने पेश किया स्वदेशी जीआईएस सॉफ्टवेयर जिओसरल

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, स्थान संबंधी सूचना और मानचित्रण समाधान प्रदाता देश कीअग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने जियोसरल नाम से एक लाइनक्स (ऑपरेटिंग सिस्टम) आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर पेश करने की बुधवा को यहां घोषणा की।एसरी इंडिया की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह जियोस्पैटियल (स्थान की भौगोलिक स्थिति संबंधी सूचनाओं) संबंधी उन्नत साफ्टवेयर समाधानों के विकसित के क्रम में चजियोसरलज्ञ पेश किया है।विज्ञप्ति में कहा गया है, संगठनों में पेशेवर जीआईएस का उपयोग करने वाले

उन्नत विश्लेषण, 3डी, नेटवर्क विश्लेषण और जटिल मानचित्रण के लिए आर्कजीआईएस का उपयोग करते हैं।इसके साथ ही ऐसे लोग भी हैं जिन्हें मैपिंग, विजुअलाइजेशन, जांच एवं संपादन जैसे आसान कामों के लिए एक डेस्कटॉप जीआईएस की जरूरत पड़ती है।जिओसरल उन्हीं लोगों के लिए है। इसकी अवधारण सभी उपक्रमों और सरकारी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में एसरी इंडिया के आर्कजीआईएस यूजर से एक हल्के, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए तैयार की गई। इसे विंडोज़ पर भी सपोर्ट मिलता है। कंपनी इसका एंड्रॉयड संस्करण भी जल्द लाएगी।एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा, जिओसरल को प्रस्तुत करना एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। इसके के शुरुआती उपयोगकर्ता मैपिंग, विजुअलाइजेशन, एडिटिंग और क्वेरीइंग के लिए किफायती, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर पाकर संतुष्ट हैं।.. इसे मौजूदा आर्क जीआईएस पारितंत्र के साथ आसानी से एकीकृत होने के लिहाज से डिजाइन किया गया है और यह एंटरप्राइस स्तर की सुरक्षा प्रदान करता है। गौरतलब है कि जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी शासन, अवसंरचना , कृषि, रक्षा, जनोपयोगी सुविधाओं, नगरीय विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जरूरी होती जा रही है।

वाहन उद्योग के अधिवेशन में हरित ईंधन पर जोर

नयी दिल्ली।

भारतीय वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन (सियाम) के 66वें वार्षिक अधिवेशन में गुरुवार को नीति निर्माताओं और उद्योग के दिग्गजों ने हरित ईंधन की तरफ रुख करने पर जोर दिया। अधिवेशन में विशेष प्लेनरी सत्र का थीम था- पर्यावरण अनुकूल परिवहन में वैश्विक नेतृत्व को बढ़ावा देना। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने स्वच्छ ईंधन की तरफ देश के परिवहन में बदलाव की तरफ तेजी से बढ़ने की जरूरत पर बल दिया।उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक, जैव ईंधन और ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की दिशा तय करेंगे।हमें चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना होगा, भारी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलना होगा, अपना निर्यात पारितंत्र तैयार करना होगा और देश को अत्याधुनिक परिवहन प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनाना होगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि वाहन सेक्टर के विकास की कहानी बेमिसाल है।यह सभी हितधारकों के बीच मज़बूत सहयोग से आगे बढ़ रही है।

स्पाइसजेट ने 20 विमान पट्टे पर लेने के लिए किये पक्के समझौते

नयी दिल्ली।

किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने आने वाले विंटर शेड्यूल के दौरान अपने ऑपरेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की तैयारी के तहत लीज पर 20 विमान (15 बोइंग और पांच एयरबस) लेने के लिए तीन विमान ऑपरेटरों के साथ पक्के डैम्प और वेट लीज समझौते किए हैं।

ये विमान मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर के बीच चरणों में स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल होंगे।इनके शामिल होने से स्पाइसजेट के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की क्षमता मजबूत होगी और सर्दियों तथा उसके बाद गर्मियों के पीक ट्रैवल सीजन के दौरान अतिरिक्त क्षमता मिलेगी। स्पाइसजेट की योजना विंटर शेड्यूल के दौरान अपने ऑपरेशन को बढ़ाकर रोज़ाना लगभग 200 उड़ानें करने की है। इससे मुख्य मार्गों पर उड़ानों की संख्या बढ़ेगी और उन बाजारों में कनेक्टिविटी मजबूत होगी जहां मांग अधिक रहने की उम्मीद है। अतिरिक्त क्षमता से बाजार में अधिक स्थिरता लाने और अधिक मांग वाले समय में हवाई किराये पर दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। एयरलाइंस ने बताया कि पांच एयरबस विमानों में ए321 वैरिएंट भी शामिल होगा।स्पाइसजेट के मुख्य कारोबार अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, हम सर्दियों के मौसम के लिए तैयारी कर रहे हैं और हमारा मुख्य ध्यान वहां क्षमता बढ़ाने पर है जहां हमारे यात्रियों को इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

एजेंटिक एआई युग के लिए मानव संसाधन में कौशल, अनुभव के विकास की जरूरत

नयी दिल्ली। एजेंटिंक एआई प्रणालियों पर यहां आयोजित एक राष्ट्रीय संवाद में छात्रों, शिक्षकों और पेशेवरों को नयी तकनीकी क्षमताओं, अनुकूलनशीलता और मानव-केंद्रित कौशल से लैस करने की जरूरत पर बल दिया गया ताकि वे तेजी फैल रही एआई प्रणालियों के साथ प्रभावी ढंग से काम कर सकें। एजेंटिक एआई प्रणालियां मानवीय देखरेख में तर्क करने, योजना बनाने और जटिल कार्यों को निष्पादित करने में सक्षम होती हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने इंटेल इंडिया के सहयोग से राजधानी में एजेंटिक एआई युग के लिए भविष्य कार्यबल को तैयार करना विषय पर आयोजित विशेषज्ञों के राष्ट्रीय स्तर के इस संवाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष शशि शेखर वेम्पति मुख्य अतिथि थे।

दिग्गज कंपनियों में मुनाफावसूली से लुढ़के प्रमुख सूचकांक

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को दिग्गज कंपनियों में अंतिम घंटे में हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक नीचे बंद हुए।बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 417.49 अंक (0.55 प्रतिशत) नीचे 76,152.86 अंक पर बंद हुआ। बढ़त में खुलने के बाद एक समय यह पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 354 अंक चढ़कर 76,924 अंक पर पहुंच गया था।हालांकि आखिरी एक घंटे में दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से यह लाल निशान में चला गया।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर 23,873.45 अंक पर बंद हुआ।दोनों प्रमुख सूचकांक आज 24 जुलाई के बाद के निचले

स्तर पर बंद हुए हैं। विदेशों में मिश्रित रुख रहा, लेकिन घरेलू स्तर पर दिग्गज कंपनियों में मुनाफावसूली को जोर देखा गया। विशेष रूप से आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, स्वास्थ्य और फार्मा कंपनियों में बिकवाली हुई।बैंकिंग, वित्त, रियल्टी, मीडिया और रासायनिक सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही।वृहत बाजार में अधिकतर सूचकांक हरे निशान में रहे।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.20 प्रतिशत की मजूबती के साथ बंद हुआ।एनएसई में जिन 3,628 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,207 के शेयरों में तेजी रही।वहीं, 1,311 कंपनियों के शेयर टूट गये।अन्य 110 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित रहे।सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों में गिरावट रही।टाइटन का शेयर 2.17 प्रतिशत लुढ़क गया।ट्रेंट में 1.93 फीसदी, आईटीसी में 1.63, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.62, बजाज फिनसर्व में 1.61, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.55 और टेक महिंद्रा में 1.54 प्रतिशत की गिरावट रही।सन फार्मा का शेयर 1.50 प्रतिशत, टीसीएस का 1.41, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.38, बजाज फाइनेंस का 1.13, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.10, मारुति सुजुकी का 1.07, इंडिगो का 1.04, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.00, इंफोसिस का 0.98, पावरग्रिड का 0.93, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 0.92 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी फिसल गये।वहीं, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर रहे।

स्थानीय उत्पादों पर विदेशी मार्का लगाने वाली दुकानों पर छापेमारी

कारोबारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट का प्रकरण दर्ज

- ज्योति व्यावसायिक परिसर की पांच दुकानों पर पुलिस की दबिश

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के सबसे बड़े व्यवसायिक केंद्र एमपी नगर में स्थित ज्योति शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर पुलिस ने छापा मारा। यह छापा मुंबई से पड़ताल करने के बाद जांच रिपोर्ट के साथ एक प्रतिनिधि मंडल की शिकायत पर कार्रवाई की गई। यहां मोबाइल कंपनियों के बड़े उत्पादों के ट्रेड मार्क का इस्तेमाल करके स्थानीय स्तर पर तैयार माल खपाया जा रहा था। पुलिस ने पांच दुकान मालिकों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार एमपी नगर जोन-1 स्थित ज्योति कॉम्प्लेक्स की पांच मोबाइल दुकानों पर एप्पल कंपनी की नकली एसेसरीज बेचे जाने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रतिनिधि की शिकायत पर पुलिस ने दुकानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने एप्पल के नाम से बेचे जा रहे 1910 बैक कवर, 12 ईयरफोन, 22 यूएसबी केबल, 15 एडाप्टर, चार बैक ग्लास और 10 चार्जर बरामद किए। बरामद सामान की कीमत करीब नौ लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने पांच दुकानों के संचालकों और कर्मचारियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

बड़ी मात्रा में एप्पल के नाम वाली एसेसरीज

पुलिस के अनुसार अहमदाबाद, गुजरात निवासी 47 वर्षीय विशाल सिंह जडेजा मुंबई की ब्रिफिंग आईपी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में ऑपरेशन मैनेजर हैं। उन्होंने शिकायत में बताया था कि ज्योति कॉम्प्लेक्स की कुछ दुकानों पर एप्पल कंपनी के नाम से नकली एसेसरीज बेची जा रही हैं। पुलिस ने शिवम मोबाइल की दो दुकानों, मोबाइल एरेना, जैन मोबाइल और न्यू श्रीजी मोबाइल पर एक-एक कर छापेमारी की। तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में एप्पल के नाम वाली एसेसरीज मिलीं। पुलिस ने शिवम मोबाइल के राहुल और हर्ष बिनानी, मोबाइल एरेना के सुनील सिंह, जैन मोबाइल के कमलेश लांजेबार और न्यू श्रीजी मोबाइल के अविनेश जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चार व्यक्तियों से तीन लाख 39 हजार रुपए की हुई जालसाजी

- एयू स्मॉल बैंक का कर्मचारी बनकर दिया झांसा
- बिना पासवर्ड और लिंक के खाता कर दिया खाली

भोपाल (नगर संवाददाता)

बीते चौबीस घंटों के दौरान चार व्यक्तियों के खातों से करीब तीन लाख 39 हजार रुपए निकालने के मामले में प्रकरण दर्ज हुए हैं। इस संबंध में प्राथमिक जांच भोपाल सायबर क्राइम ने की थी। जिसके बाद अवधपुरी, कोहेफिजा, ऐशबाग और निशातपुरा थाने में प्रकरण भेजे गए। पुलिस ने जिन खातों में रकम पहुंची थी उन्हें फ्रीज कर दिया है। इसमें एक मामले में किसी तरह का पासवर्ड और लिंक पर भी क्लिक नहीं किया गया। इसके बावजूद खाता खाली हो गया।

कोहेफिजा थाना पुलिस ने बताया श्याम सुंदर बियानी पिता द्वारका प्रसाद बियानी के साथ सायबर फ्रॉड 12 अगस्त को हुआ था। उन्हें इस बात की जानकारी तब लगी जब उनके पास 17 अगस्त को एक लाख, 70 हजार रुपए निकलने का संदेश आया। श्याम सुंदर बियानी बैंक पहुंचे तो उन्हें सायबर फ्रॉड की जानकारी मिली। उन्हें 12 अगस्त को एयू बैंक का कर्मचारी बनकर जालसाज ने बातचीत की थी। उसने कहा था कि उनके ब्लॉक खाते को वह चालू करा देगा। इसके बाद वीडियो कॉल पर बातचीत करके उसने कुछ सैटिंग कराई थी। उस वक्त आरोपी ने एक एपीके फाइल भेजी थी। इसी तरह अवधपुरी थाना पुलिस ने 46 वर्षीय दिनेश राय की शिकायत पर जालसाजी का प्रकरण दर्ज किया। वे अनुपम नगर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया खाते से 58,999 रुपए निकल गए। पैसा कब निकला उन्हें पता नहीं था। दिनेश राय 29 अगस्त को जब नगर निगम के दफ्तर में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने पहुंचे तो वहां उन्हें खाते में कोई रकम नहीं होने की जानकारी मिली। आरोपियों ने उनके डेबिट कार्ड में भी सेंध लगाई थी।

राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में धमाका, खड़े हुए सवाल

- बिजली के ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करते वक्त बदमाशों से हुई चूक

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में स्थित दक्षिण एशियाई देशों के पुलिस अधिकारियों के काफी संवेदनशील राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण संस्थान (सीएपीटी) में जोरदार धमाका हो गया। सुरक्षा में सेंध लगाकर कुछ बदमाश इस परिसर में दाखिल हुए थे। मामला बिलखिरिया थाने में भी पहुंचा है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि बदमाश बिजली के ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करते वक्त तकनीकी चूक के कारण यह धमाका हुआ था।

जानकारी के अनुसार यह घटना 27-28 अगस्त की दरमियानी रात हुई थी। मामले की प्राथमिक जांच सीएपीटी अधिकारियों ने की थी।

चोरी के प्रयास का प्रकरण दर्ज

मामले को गंभीर मानते हुए प्रबंधन ने बिलखिरिया थाना पुलिस को संपर्क किया। पुलिस ने इस मामले में चोरी के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मौके पर पुलिस को ऑयल से भरे दो और खाली तीन ड्रम मिले हैं। सभी ड्रम 20-20 लीटर क्षमता के हैं। पुलिस ने सीएपीटी निरीक्षक पंकज मजूमदार की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। बदमाश सीएपीटी परिसर में घुसकर बिजली ट्रांसफार्मर का ऑयल बोल्ट खोलकर तेल निकाल रहे थे। तेल भरने के दौरान अचानक ट्रांसफार्मर में धमाका हो गया। जिसके बाद वह सारे ड्रम छोड़कर भाग गए। सीएपीटी केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरएंडडी) का प्रमुख पुलिस प्रशिक्षण संस्थान है।

बालाघाट के 332 करोड़ के विकास प्रोजेक्ट जल्द पूरे करने के सीएस ने दिए निर्देश

दूर के जिलों में पहुंचकर शिकायतों का समाधान करें अधिकारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत दूरस्थ जिलों का भ्रमण कर आम लोगों की शिकायतों का मौके पर निराकरण कराएं।

मंत्रालय में हुई मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान और बालाघाट विकास प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का तय समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

वरिष्ठ अधिकारी कुछ शिकायतकर्ताओं से स्वयं बात कर समस्याओं के वास्तविक कारणों की पहचान करें और स्थायी समाधान कराएं।

80 प्रतिशत शिकायतें संतुष्टि के बाद बंद

बैठक में बताया गया कि सीएम हेल्पलाइन में आने वाली करीब 80 प्रतिशत शिकायतें शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद बंद की जा चुकी हैं। हेल्पलाइन पर प्रतिदिन करीब 55 हजार कॉल आते हैं, जिनमें लगभग 15 हजार शिकायतें होती हैं। लोकसेवा गारंटी अभियान के तहत अब तक 8 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया है। मुख्य सचिव ने भारत सरकार से प्राप्त पत्रों का जवाब अनिवार्य रूप से 15 दिन में देने के निर्देश भी दिए।

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, राशन कार्ड और राशन दुकानों में खाद्यान्न उपलब्धता की जानकारी ली। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मातृ-वंदना, लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, प्रसूति सहायता और बिजली आपूर्ति से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा की।

बालाघाट के 332 करोड़ के प्रोजेक्ट पर जोर

बैठक में 332 करोड़ रुपए के बालाघाट विकास प्रोजेक्ट की विभागवार समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संसाधन, कृषि, महिला एवं बाल विकास सहित संबंधित विभागों के प्रस्तावित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं विभागीय समीक्षा, मंथन और कलेक्टर सम्मेलन की तैयारियों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित करने को कहा।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों की सूची जारी

56 नेताओं को मिली जगह, छात्रावास प्रभारियों की भी नियुक्ति

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए विभिन्न जिलों में प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों समेत 56 पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से नियुक्तियों की सूची जारी की। इसके साथ ही प्रदेश कार्यालय प्रभारी, संभाग प्रभारी, सह सोशल मीडिया प्रभारी, सह मीडिया प्रभारी, छात्रावास संपर्क प्रभारी और स्व-सहायता समूह प्रभारी भी बनाए गए हैं।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य- मुरैनाः महेश जाटव, मुकेश जाटव, भिंडः धरम सिंह भार्गव, बाबूलाल टैगोरद्व ग्वालियर नगरः अरविंद बैदौरिया, अर्जुन जाटव, महेश आर्य, मानवेन्द्र मौर्य (मोनू), श्योपुरः पूर्ण आर्य, दीपकराज वाल्मीकि, शिवपुरीः सुभाष जाटव, सागरः लता साकवार, मूलचंद उर्रिया, छतरपुरः नीरज जाटव, सीधीः राजीव मौर्य, हरिकेश साकेत, जबलपुर नगरः बलराज सोनकर, गोपाल अहिरवार, जबलपुर ग्रामीणः राम महोबिया, कटनीः शिवकुमार चौधरी, छिंदवाड़ाः नितिन डेहरिया, नर्मदापुरमः राजकुमार मकोरिया, हरदाः अरविंद सौदे, भोपाल नगरः डॉ. पंकज कुमार, रायसेनः नेहा आदित्य चावला, जगदीश अहिरवार आदि शामिल हैं।

ये बनाए संभाग प्रभारी- भोपालः डॉ. जगदीश चौहान, नर्मदापुरमः राकेश सिंह कुचबंदिया, शहडोलः अमित कछवाहा, सह सोशल मीडिया प्रभारीः क्षितिज (बाबी) मालवीय, सह मीडिया प्रभारीःरामस्वरूप अहिरवार

छात्रावास संपर्क प्रभारी एवं सहप्रभारी-प्रभारीः दीपक कुमार भन्नारे, सह-प्रभारीः कमलकांत राजोरिया, दुर्गेश (कालू) चौहान, मनीषा मंगेश रमपुरिया, सरिता मालवीय, स्व-सहायता समूह प्रभारी एवं सहप्रभारी, प्रभारीः बरखा वर्मा, सह-प्रभारीः पुष्पा चौहान, पार्वती तामिया को शामिल किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- **नवीन आनंद जोशी**, मुख्य कार्यकारी संपादक **श्रीमती रोमा मल्होत्रा**। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।